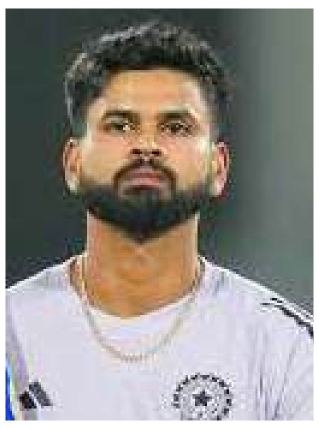

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

दाएं और बाएं बल्लेबाजों के संयोजन में फंसे अय्यर इसलिए हुए टीम से बाहर -पेज: 7

श्रद्धा श्रीनाथ ने सीरीज द गेम - यू नेवर श्वले अलोन की दी जानकारी -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 154 | गुरुवार 11 सितंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

कांग्रेस का देशभर में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान तेज, राहुल बोले- साबित होकर रहेगा

नई दिल्ली (एजेंसी): कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा पूरे देश में प्रभावी सिद्ध हुआ है और पार्टी इसे "और भी प्रभावशाली तरीकों से" स्थापित करेगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर अपनी संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे हैं। इससे पहले वह दिन में लखनऊ के चौधरी चरण सिंह हवाई अड्डा पहुंचे, जहां कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। एक कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करने से पहले पत्रकारों से बातचीत में गांधी ने कहा, "मुख्य नारा 'वोट चोर, गद्दी छोड़' है और यह पूरे देश में प्रभावी सिद्ध हुआ है। आने वाले समय में हम इसे बार-बार और भी प्रभावशाली तरीकों से साबित करेंगे।" देदौली में हरचंदपुर विधानसभा के पार्टी कार्यकताओं के साथ एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, गांधी ने महाराष्ट्र और कर्नाटक में कथित "वोट चोरी" की घटनाओं का ज़िक्र किया। हालांकि मीडिया को कार्यक्रम में जाने की अनुमति नहीं थी, लेकिन 'पीटीआई-भाषा' को पता चला है कि कांग्रेस नेता ने कहा कि लोकसभा चुनावों के बाद हुए महाराष्ट्र और कर्नाटक विधानसभा चुनावों में वोट चोरी के "स्पष्ट" सबूत मौजूद हैं। एक सूत्र ने गांधी के हवाले से कहा, "महाराष्ट्र में हमारी पार्टी और हमारा गठबंधन लोकसभा में जीता, और चार महीने बाद विधानसभा में हमारा सफाया हो गया। जब हमने जांच की, तो पता चला कि लोकसभा चुनावों के बाद लगभग एक करोड़ नए मतदाता चुनाव प्रणाली में शामिल हुए थे। हमारे और हमारे सहयोगियों के वोट वही रहे, लेकिन सभी नए वोट भाजपा को मिले।" सूत्र के अनुसार गांधी ने कहा कि कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना को मिले वोटों में कोई बदलाव नहीं आया, लेकिन भाजपा के मतों में "भारी उछाल" आया, क्योंकि हर नया मतदाता उसके पक्ष में गया। कांग्रेस सांसद ने कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग से इस मामले की जांच करने और यह बताने को कहा है कि चार महीनों में एक करोड़ नए मतदाता कैसे जुड़े। कांग्रेस नेता के हवाले से एक सूत्र ने कहा, आयोग ने इनकार कर दिया, कहा कि वे हमें सूची नहीं देंगे और न ही कोई वीडियो उपलब्ध कराएंगे। गांधी ने आरोप लगाया कि चुनावों के बाद कर्नाटक में भी इसी प्रकार की अनियमितताएं सामने आईं। कांग्रेस कार्यकताओं ने बेंगलुरु मध्य के एक विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की जांच की, जहां दो लाख नकली मतदाता पाए गए, जिससे वहां भाजपा की जीत सुनिश्चित हुई। बैठक में गांधी ने कहा, "बेंगलुरू मध्य में सात विधानसभा सीट हैं। हमारे कार्यकताओं ने सिर्फ एक की पड़ताल में चार महीने बिताए और उन्हें यह मिला।" भाजपा पर वोट चुराने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं सिर्फ. बेंगलुरु या महाराष्ट्र तक ही सीमित नहीं हैं। सूत्र के अनुसार गांधी ने कहा, "उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश और गुजरात में भी यह बड़े पैमाने पर हुआ है। धीरे-धीरे, हम आपके सामने सारे सबूत पेश कर रहे हैं।" बिहार में अपने हालिया चुनावी दौरे का ज़िक्र करते हुए, गांधी ने यह भी दावा किया कि वहां भी इसी तरह की अनियमितताएं देखी गईं। उन्होंने आरोप लगाया, "कुछ लोग जो जीवित हैं

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा पूरे देश में प्रभावी सिद्ध हुआ है और पार्टी इसे "और भी प्रभावशाली तरीकों से" स्थापित करेगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर अपनी संसदीय क्षेत्र...

तमिलनाडु पुलिस से विजय को सभा की मिली इजाजत, लगाई गई ये शर्तें

तमिलगा (एजेंसी): तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली (जिसे त्रिची भी कहा जाता है) जिले के मरक्कड़ई इलाके में एक सभा को संबोधित करने की अनुमति दे दी गई है, लेकिन शहर के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सिबिन ने 23 सख्त शर्तें लगाई हैं। टीवीके महासचिव आनंद और त्रिची जिला सचिव करिकालन ने शर्तों को स्वीकार करते हुए लिखित में वचन दिया है, जिसके बाद पुलिस उपायुक्त द्वारा आधिकारिक अनुमति पत्र जारी किया जाएगा। पुलिस द्वारा लगाई गई प्रमुख शर्तों में विजय सुबह 10:30 से 11:00 बजे के बीच केवल 30 मिनट ही बोल सकते हैं; पार्टी कार्यकताओं को सुबह 9:30 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना होगा; रोड शो की अनुमति नहीं है; विजय के काफिले में उनकी कार के आगे और पीछे केवल पांच वाहन हो सकते हैं; अतिरिक्त वाहनों की अनुमति नहीं होगी; टीवीके को चिकित्सा सुविधाओं, एम्बुलेंस और अग्निशमन सेवा वाहनों की व्यवस्था करनी होगी। इनके साथ ही, अन्य प्रमुख शर्तें हैं बच्चों, गर्भवती महिलाओं और दिव्यांग व्यक्तियों को कार्यक्रम में नहीं लाया जाना चाहिए; सार्वजनिक यातायात बाधित नहीं होना चाहिए; शंकु के आकार के लाउडस्पीकरों पर प्रतिबंध है; समर्थक लंबे झंडे नहीं ले जा सकते; स्कूली छात्रों, हवाई अड्डे के यात्रियों, अस्पताल जाने वालों और एम्बुलेंस को बाधित न करने के लिए

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गरेठा को दी बिजली उपकेन्द्र की सौगात

पिछोर/ शिवपुरी (एजेंसी): केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने आज बुधवार को शिवपुरी जिले की पिछोर विधानसभा के गरेठा में 2.19 करोड़ की लागत से बने नवीन बिजली सब-स्टेशन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज यह उपकेन्द्र सिर्फ बिजली का ढांचा नहीं है, बल्कि यह विकास की नई राह का आरंभ है। हजारों क्षेत्रवासियों को सुचारु आपूर्ति इस उपकेन्द्र के शुभारंभ से क्षेत्र के हजारों क्षेत्रवासियों को सुचारु और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी। इससे किसानों, विद्यार्थियों, छोटे व्यापारियों और औद्योगिक इकाइयों को सीधे लाभ मिलेगा। बिजली कटौती और वोल्टेज की समस्या से निजात मिल सकेगी, जिससे उत्पादन और विकास की गति को और बल मिलेगा। युवाओं, किसानों और उद्योगों को नई शक्ति देगा ये उपकेंद्र: सिंधिया केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि यह उपकेन्द्र केवल एक तकनीकी परियोजना नहीं, बल्कि विकास की नई राह का प्रतीक है। उन्होंने कहा यह उपकेन्द्र सिर्फ बिजली का ढांचा नहीं है, बल्कि यह विकास की नई राह का आरंभ है। यह उपकेंद्र हमारे युवाओं, किसानों और उद्योगों को नई शक्ति देगा और समाज को नई दिशा प्रदान करेगा। डबल इंजन सरकार का लक्ष्य हर नागरिक तक सुविधाएँ पहुँचाना है और आज का यह लोकार्पण उसी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो रहा मध्यप्रदेश सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश निरंतर प्रगति की ओर बढ़ रहा है। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएँ जन-जन तक पहुँच रही हैं और हर वर्ग को उनका सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने इस अवसर पर जनता को आश्वस्त किया कि क्षेत्र में विकास का यह सिलसिला रुकने वाला नहीं है। आने वाले समय में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और उद्योग के क्षेत्र में भी कई नई परियोजनाएँ मूर्त रूप लेंगी।

पटना को सीएम नीतीश की 1433 करोड़ की सौगात, छह विकास योजनाओं का शिलान्यास

पटना (एजेंसी): मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने पटना जिला अंतर्गत 1433 करोड़ 77 लाख रुपये की लागत से कुल 06 योजनाओं का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने दीदारगंज एवं बाढ़ जाकर आयोजित कार्यक्रम स्थल से विभिन्न योजनाओं का रिमोट के माध्यम से शिलापट्ट अनावरण कर शिलान्यास किया। इसके अंतर्गत 1065 करोड़ 53 लाख रुपये की लागत से राज्य उच्च पथ संख्या 106- दीदारगंज फतुहा बख्तियारपुर-करजान पथ का 4-लेन में चौड़ीकरण, 9 करोड़ 5 लाख रुपये की लागत से बाढ़ के उमानाथ मंदिर परिसर के समीप श्मशान घाट का विकास और विद्युत शवदाह गृह के निर्माण कार्य तथा 249 करोड़ 88 लाख रुपये की लागत से बख्तियारपुर-बाढ़-मोकामा पथ के 45.70 कि०मी० अथमलगोला से मोकामा बाटा चौक तक पथ का चौड़ीकरण कार्य शामिल है। साथ ही 11 करोड़ 92 लाख रुपये की लागत से बख्तियारपुर में हिदायतपुर एवं मंझौली के बीच घोबा नदी पर पुल का निर्माण कार्य, 67 करोड़ 74 लाख रुपये की लागत से बाढ़ के उमानाथ मंदिर परिसर का सौंदर्गीकरण एवं नागरिक सुविधाओं का विकास कार्य तथा 29 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से बाढ़ वाटर ड्रेनेज का निर्माण कार्य शामिल है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि दीदारगंज से करजान तक फोरलेन पथ के चौड़ीकरण हो जाने से यातायात में सुविधा होगी। बख्तियारपुर में एलिवेटेड बाईपास तथा फतुहा में फ्लाईओवर बनने से लोगों का आवागमन और सुगम होगा। मुख्यमंत्री बख्तियारपुर के सीढ़ी घाट भी गये और सीढ़ी घाट पर कराये जा रहे विकास कार्यों की अद्यतन जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने दीदारगंज-फतुहा बख्तियारपुर-करजान पथ के बाईपास का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर के श्री राधे कृष्ण मंदिर एवं बाढ़ के उमानाथ मंदिर में पूजा अर्चना कर राज्य की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, बिहार विधानसभा अध्यक्ष श्री नंदकिशोर यादव, विधायक श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ज्ञानू अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री कुमार रवि, पथ निर्माण विभाग के सचिव श्री संदीप कुमार आर० पुदकलकुट्टी, पटना प्रमण्डल के आयुक्त डॉ० चन्द्रशेखर सिंह

सीपी राधाकृष्णन का नया सफर: 12 सितंबर को ले सकते हैं उपराष्ट्रपति पद की शपथ, राष्ट्रपति दिलाएंगी शपथ

नई दिल्ली (एजेंसी): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलाएँगी। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति 12 सितंबर को राष्ट्रपति भवन में एक औपचारिक समारोह में राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलाएँगी। राधाकृष्णन मंगलवार के चुनाव में 767 में से 452 वोट हासिल करने और विपक्ष के बी. सुदर्शन रेड्डी को हराने के बाद भारत के 15वें उपराष्ट्रपति चुने गए थे। राधाकृष्णन को महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में अपना इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपना होगा। शपथ ग्रहण समारोह 12 सितंबर को प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और जेपी नड्डा, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के वरिष्ठ नेताओं संजय झा, राम मोहन नायडू और श्रीकांत शिंदे ने मंगलवार रात राधाकृष्णन से मुलाकात की। मामले से वाकिफ एक अन्य अधिकारी ने बताया कि आज विपक्षी दलों के कुछ नेताओं सहित और भी नेताओं के उनसे मिलने की उम्मीद है। नतीजे घोषित होने के तुरंत बाद, राधाकृष्णन ने कहा कि वह देश के विकास के लिए काम करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम सभी को मिलकर काम करना होगा। अगर हम 2047 तक विकसित भारत चाहते हैं, तो हमें हर चीज में राजनीति नहीं करनी चाहिए। चुनाव खत्म होने के बाद, हमें राजनीति भूलकर विकास पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष और सत्ता पक्ष "एक ही सिक्के के दो पहलू" हैं और लोकतंत्र में दोनों महत्वपूर्ण हैं। राधाकृष्णन नवंबर में शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र में राज्यसभा के सभापति का पदभार ग्रहण करेंगे। 68 वर्षीय राधाकृष्णन उस गहरे मतभेद वाली राज्यसभा की कमान संभालेंगे, जहाँ पिछले दो वर्षों में सभापति और विपक्ष के बीच अभूतपूर्व टकराव देखने को मिला है, जिसके परिणामस्वरूप स्वतंत्र भारत में किसी वर्तमान उपराष्ट्रपति के विरुद्ध पहली बार अविश्वास प्रस्ताव लाया गया।

बिहार को मोदी कैबिनेट की 7500 करोड़ की सौगात, वैष्णव बोले- विकास को मिली गति

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बिहार में 7,500 करोड़ की एक रेलवे और एक राजमार्ग परियोजना को मंजूरी दे दी है। वैष्णव ने कहा कि देश में बुनियादी ढाँचे के निर्माण की गति बेहतर हुई है। बुधवार को कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान वैष्णव ने कहा कि आज की कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो बड़ी बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है। वैष्णव ने आगे कहा कि बिहार में बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड मोकामा-मुंगेर सेक्शन के निर्माण को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन सेक्शन (177 किलोमीटर) के दोहरीकरण को मंजूरी दी है, जिसकी कुल लागत 3,169 करोड़ रुपये है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इसमें 3,169 करोड़ रुपये का निवेश होगा। यह बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाली एक बेहद महत्वपूर्ण परियोजना भी है। अगर हम इस परियोजना को मानचित्र पर देखें, तो यह बिहार से शुरू होकर रामपुरहाट में झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ती है। अभी चलने वाली ज्यादातर ट्रेनें भागलपुर से मालदा टाउन और रामपुरहाट होते हुए हावड़ा जाती हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस दोहरीकरण के बाद, कई ट्रेनें भागलपुर से दुमका और वहाँ से सीधे रामपुरहाट जा सकेंगी। कई पैसेंजर ट्रेनें, मेल एक्सप्रेस ट्रेनें इससे होकर गुजर सकेंगी और यह देवघर तीर्थस्थल को भी जोड़ती है। एक तरह से, दक्षिण बिहार को कोलकाता से जिस कनेक्टिविटी की जरूरत है, वह इस परियोजना से पूरी हो जाती है। वैष्णव ने कहा, "दोनों परियोजनाएँ तीन वर्षों में पूरी हो जाएँगी। राजमार्गों और रेलवे निर्माण, दोनों की गति बेहतर हुई है।" मोकामा-मुंगेर खंड मोकामा, बड़हिया, लखीसराय, जमालपुर, मुंगेर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय शहरों से होकर गुजरता है या उन्हें कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जो भागलपुर से जुड़ता है। 82.4 किलोमीटर लंबी इस परियोजना का निर्माण हाइब्रिड एन्युइटी मोड (एचएएम) के तहत ₹4,447.38 करोड़ की पूंजीगत लागत से किया जाएगा। विज्ञप्ति में आगे कहा गया है, "मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव से परिचालन आसान होगा और भीड़भाड़ कम होगी, जिससे भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढाँचागत विकास संभव होगा।" विज्ञप्ति में कहा गया है, "इन परियोजनाओं की योजना पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई है, जिसका उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। ये परियोजनाएँ लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी।"

'पड़ोसी देश में देखिए क्या हो रहा है', सुप्रीम कोर्ट ने क्यों किया नेपाल और बांग्लादेश का जिक्र?

नई दिल्ली (एजेंसी): नेपाल और बांग्लादेश में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों का जिक्र आज राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में हुआ। कोर्ट में ये जिक्र उस सुनवाई के दौरान हुआ जो 12 अप्रैल के उस आदेश पर था जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राज्यपालों के लिए राज्यों के विधेयकों को मंजूरी देने की समय-सीमा तय की गई थी। भारतीय संविधान का जिक्र करते हुए, जिसमें राष्ट्रपति को किसी भी कानूनी मुद्दे पर, जो सार्वजनिक महत्व का हो या किसी भी तरह से जनता को प्रभावित करता हो, सुप्रीम कोर्ट से सलाह लेने का अधिकार है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा, "हमें अपने संविधान पर गर्व है।" सीजेआई ने किया नेपाल हिंसा का जिक्र मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि देखिए हमारे पड़ोसी राज्यों में क्या हो रहा है। नेपाल, हमने देखा। उन्होंने हिमालयी राज्य में 48 घंटे पहले शुरू हुए भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का जिक्र किया, जिसमें अब तक 21 लोग मारे जा चुके हैं और केपी शर्मा ओली को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा है। जस्टिस विक्रम नाथ ने दिलाई बांग्लादेश हिंसा की याद "हां, बांग्लादेश में भी..." जस्टिस विक्रम नाथ ने बीच में बोलते हुए पिछले साल उस देश में हुई चौंकाने वाली हिंसा की यादें ताजा कर दीं, जब छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन ने तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के आधिकारिक आवास सहित प्रमुख सरकारी इमारतों पर कब्जा कर लिया और तोड़फोड़ की। विरोध प्रदर्शनों में 100 से ज्यादा लोग मारे गए, जिसके कारण उन्हें इस्तीफा देकर भागना पड़ा, और देश का नियंत्रण नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाले अभी भी सत्ता में मौजूद 'अंतरिम' प्रशासन को सौंप दिया गया। इस हफ्ते नेपाल और पिछले साल बांग्लादेश में हुई घटनाओं के बीच समानताएं नजरअंदाज करना मुश्किल है, जिसमें संविधान और कानून के शासन के पूरी तरह से ध्वस्त होने का बड़ा मुद्दा भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्यपालों का एक महीने से ज्यादा समय तक विधेयकों को सुरक्षित रखने के मामले में बचाव के बाद आई है। जब पीठ इस बहस पर विचार कर रही थी, तब न्यायमूर्ति नाथ ने टिप्पणी की कि देश पिछले 75 सालों से चल रहा है, चाहे कितने भी विधेयक पारित हुए हों या रोके गए हों। इस पर तुषार मेहता ने कहा कि उनके पास ऐसे आंकड़े हैं जो ऐसी स्थिति की दुर्लभता को दशार्ते हैं। हम आंकड़े नहीं ले सकते- मुख्य न्यायाधीश हालांकि, मुख्य न्यायाधीश गवई इससे प्रभावित नहीं हुए। उन्होंने पूछा, "हम आंकड़े नहीं ले सकते... यह उनके (राष्ट्रपति के संदर्भ के खिलाफ बहस करने वाले राज्य) के साथ न्याय नहीं होगा। हमने उनके आंकड़े नहीं लिए। हम आपके आंकड़े कैसे ले सकते हैं?" उन्होंने कहा, "हम इसमें नहीं जाएंगे... पहले आपने उनके आंकड़ों पर आपत्ति जताई थी।" 90 प्रतिशत विधेयकों को एक महीने में ही मंजूरी- सॉलिसिटर जनरल बिना किसी हिचकिचाहट के सॉलिसिटर जनरल ने घोषणा की कि किसी भी राज्य सरकार द्वारा पारित सभी विधेयकों में से 90 प्रतिशत को राज्यपाल एक महीने के भीतर मंजूरी दे देते हैं। मेहता ने शीर्ष अदालत को बताया कि 1970 से 2025 तक केवल 20 विधेयक जिनमें तमिलनाडु सरकार द्वारा पारित सात विधेयक भी शामिल हैं, जिन्हें राज्यपाल आरएन रवि ने विलंबित कर दिया था, जिसके कारण डीएमके ने कड़ा विरोध किया।

सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई के दौरान नेपाल और बांग्लादेश में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों का उल्लेख किया गया। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने 12 अप्रैल के उस आदेश पर सुनवाई के दौरान ये बात कही जिसमें राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए

संपादकीय

जेन-जी की बगावत

नेपाल की राजधानी काठमांडू में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और राजनीतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले कुछ लोगों की मौत होने के बाद स्थिति काबू से बाहर हो गई है। पुलिस के साथ हुई झड़पों में खुद को जेन-जी यानी युवा पीढ़ी बता रहे 22 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई है। काठमांडू के अलावा पूर्वी शहर इटहरी में दो लोग मारे गए। जगह-जगह कर्फ्यू लगा है, सेना सड़कों पर है। भारी झड़प व मौतों के बावजूद प्रदर्शनकारी पीछे हटने को राजी नहीं है। गृहमंत्री रमेश लेखक के बाद अब प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने भी घटना के बाद इस्तीफा दे दिया है। सरकार की तरफ से मिले संकेतों के अनुसार जल्द ही सोशल मीडिया से बैन हटाया जा सकता है। सरकार के रवैये और भ्रष्टाचार के कथित आरोपों को लेकर युवाओं में जबरदस्त आक्रोश है। उग्र होते प्रदर्शन को देखते हुए संसद भवन, राष्ट्रपति भवन, प्रधानमंत्री आवास, शीतल निवास पर कर्फ्यू लगा है। अभी कुछ ही महीनों पहले नेपाल में राजशाही बहाल करने को लेकर आंदोलन हो चुका है। तब भी नाराज युवाओं द्वारा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। सरकार ने पिछले सप्ताह ही फेसबुक, इंस्टाग्राम, वाट्सएप जैसे छब्बीस सोशल मीडिया व मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगा दिया। सरकार का आरोप है, ये सोशल मीडिया कंपनियां कानूनों का पालन करने में कोताही कर रही हैं। चीन की सोशल मडिया कंपनी टिकटॉक द्वारा सभी नियमों का पालन किया है इसलिए उस पर प्रतिबंध नहीं लगा है। टिकटॉक पर चल रहे नेपोबेबी ट्रेंड हो रहा है, जिसमें नेताओं के बच्चों के ऐशो-आराम भरे जीवन की तस्वीरें व वीडियो वायरल किए जा रहे हैं। यह सच है कि बिला-वजह सोशल मीडिया को प्रतिबंधित करने से युवाओं में आक्रोश बढ़ना स्वाभाविक है। नेपाल में भ्रष्टाचार, रिश्वखोरी व भाई-भतीजावाद को लेकर जनता में नाराजगी बढ़ती जा रही है। भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई न होने को पर भी नेपालियों में भारी निराशा है। वे देश की बदहाली के लिए राजनेताओं को दोषी मानते हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि मीडिया वास्तविकता छिपाने में सरकार का पक्षकार बन गया है। वे इसे स्वतंत्रता पर हमला मान रहे हैं। जनता की ताकत को नजरंदाज करने वालों को यह समझना होगा कि नई पीढी निरंकुशता मौन होकर नहीं बर्दाश्त कर सकती। उसे अपने अधिकारों और ताकत का अंदाजा है। नेताओं को राजशाही वाले अंदाज त्यागने होंगे।

चिंतन-मनन

सन्मार्ग की प्रवृत्ति

उत्तम कार्य की कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्रायः मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है कि लोगों को भ्रम हो जाता है कि कहीं यह दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने पड़ती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। किसी दुःखी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकता व उपयोगिता सर्वत्र स्वीकारी जा सकती है। परन्तु कई बार ऐसी सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसे करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता।

दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी की भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो, साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्रायः कुछ असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिनमें पशुत्व की प्रधानता है, दुनिया में उनकी कमी नहीं है। उन्हें ज्ञान, तर्क, नम्रता, सज्जनता, सहनशीलता से अनीति के दुःखदाई मार्ग से पीछे नहीं हटाया जा सकता। पशु केवल दो चीजें पहचानता है- एक लोभ, दूसरा भय। दाना, घास खिला उसे ललचा कर कहीं भी ले जाइए, वह पीछे-पीछे चलेगा या लाठी का डर दिखा जिधर चाहे उधर ले जा सकते हैं। भय या लोभ से अज्ञानियों को, कुमार्गगामियों को सन्मार्ग में प्रवृत्त किया जा सकता है। भय उत्पन्न करने के लिए दंड का आश्रय लिया जाता है। लोभ के लिए कोई ऐसा आकषर्ण उसके सामने उपस्थित करना पड़ता है जो आज की अपेक्षा अधिक सुखदायी हो। नशेबाजी, व्यभिचार आदि के दुष्परिणाम को बढ़ा-चढ़ाकर, बताकर कई बार उस ओर चलने वालों को इतना डरा दिया जाता है कि वे उसे स्वतः छोड़ देते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

ललित गर्ग

प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे महज संयोग या 'कुदरत की नाराजगी' को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिमार्ताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जनमग्न है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं। आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था-'प्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं।' यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी। जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मयार्दा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर-मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब-ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं। वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है। भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पली-बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप-बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1,600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महीनों की बारिश हो जाती है, तो कभी लंबे सूखे का दौर देखने को मिलता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटना इस बात का संकेत है कि शहर जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं। देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियाँ देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोगों को बेघर कर देती है। दिल्ली और मुंबई जैसे आधुनिक महानगर भी जलजमाव से पंगु हो जाते हैं। राजस्थान जैसे रेगिस्तानी राज्य में भी अनियंत्रित बारिश और बाढ़ का नया खतरा मंडरा रहा है। सड़कों पर नावें चल रही हैं, पुल बह गए हैं, खेत-खलिहान जलमग्न हैं। यह नजारा केवल विनाश का नहीं, बल्कि हमारी नासमझी का प्रमाण है। प्रकृति बार-बार संकेत देती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है, लेकिन हमने उसकी सीमाओं को लांघ दिया है। पहाड़ों को खोखला कर सुरंगें और सड़कें बनाई गईं। जंगलों को काटकर कंक्रीट के जंगल खड़े कर दिए गए। नदियों को उनके मार्ग से हटाकर कृत्रिम रास्तों में बांध दिया गया। आज जब बादल फटते हैं या नदियाँ बेकाबू होती हैं, तो यह केवल आपदा नहीं बल्कि प्रकृति का प्रतिशोध है।

अब सवाल यह है कि इस संकट से निपटें कैसे। केवल राहत और मुआवजा देना समाधान नहीं है। आवश्यकता है दीर्घकालिक और ठोस कदम उठाने की। हमें जंगल बचाने होंगे, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना होगा, शहरी योजनाओं में जलनिकासी और हरियाली को महत्व देना होगा, पर्वतीय विकास में संयम लाना होगा और सबसे बढ़कर जनजागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग समझ सकें कि पर्यावरण की रक्षा ही उनके जीवन की रक्षा है। जरूरत है कि आपदाओं को केवल 'प्राकृतिक' न मानकर उन्हें 'मानव निर्मित' एवं सरकार की गलत नीतियों की आपदाएं' भी समझा जाए। इसका अर्थ है कि इनका समाधान केवल राहत और बचाव तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक रणनीति से जुड़ा होना चाहिए। विशेषज्ञों की राय, वैज्ञानिक अध्ययन और स्थानीय समुदायों के अनुभवों को मिलाकर ऐसी नीतियां बननी चाहिएं, जो पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखें। प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने समय रहते संतुलित विकास का मार्ग नहीं चुना तो भविष्य और अधिक भयावह होगा। पूर्व चेतावनी प्रणाली को सशक्त बनाना, पहाड़ी राज्यों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाना, आपदा प्रबंधन तंत्र को त्वरित और प्रभावी बनाना, और सबसे बढ़कर-वनों एवं प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना, यह सब आज की सबसे बड़ी जरूरत है।

एशियाई हॉकी : पूरी लय में है भारतीय टीम

मनोज चतुर्वेदी

भारतीय हॉकी टीम राजगीर में एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप होने से कुछ पहले तक उसे अच्छे प्रदर्शन के लिए याद नहीं किया जा रहा था।

वैसे भी भारतीय टीम फाइनल जैसे महत्त्वपूर्ण मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए नहीं जानी जाती है, लेकिन इस चैंपियनशिप के फाइनल में पिछली चैंपियन दक्षिण कोरिया के खिलाफ भारत ने जिस तरह का प्रदर्शन किया, उससे लगने लगा है कि टीम फिर से ऊंचाइयों की तरफ बढ़ने के लिए तैयार है। भारत ने दक्षिण कोरिया पर 4-1 से जीत पाकर चौथी बार एशिया कप खिताब ही नहीं जीता बल्कि अगले साल अगस्त में नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया।

भारतीय टीम एफआईएच प्रो लीग में खराब प्रदर्शन के बाद यहां आई थी। इस लीग के आखिरी यूरोपीय चरण में भारत ने आठ में से सात मैच हारकर बेहद निराश कर दिया था। इस प्रदर्शन की वजह से टीम नौ टीमों की लीग में आठवें स्थान पर रही। वह रेलीगेट होने से एक स्थान से बच गई। इसकी वजह से पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक दिलाने वाले कोच क्रेग फुल्टोन की काबिलियत पर भी सवाल उठने लगे थे। एशिया कप में भारत के शुरूआती प्रदर्शन से स्थिति और बिगाड़ दी।

इन प्रदर्शनों को देखने से भारत की क्षमता पर संदेह व्यक्त किया जाने लगा, लेकिन भारत ने सुपर फोर में चीन के खिलाफ और फिर फाइनल में दक्षिण कोरिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन से अपनी फिर से धमक बना दी। भारतीय कोच एफआईएच प्रो लीग में भारतीय प्रदर्शन के बारे में कहते हैं कि इसमें खेले तो अच्छा पर नतीजे अच्छे नहीं निकाल सके। फुलटोन ने कहा, ह्यहम एफआईएच प्रो लीग में खेले तो अच्छा पर परिणाम अच्छे नहीं निकाल सके। पर हमने इसके बाद खामियों पर काम किया।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हाल-फिलहाल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सही मायनों में इस ऑस्ट्रेलियाई दौरे ने ही एशिया कप की सही तैयारी कराकर जीत में अहम भूमिका निभाई। अब इस प्रदर्शन के बाद देश के हॉकीप्रेमी फिर से उत्साहित हो गए हैं और उन्हें टीम पर भरोसा बन गया है कि हम फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर झंडे गाड़ेंगे। भारत ने चीन हो या दक्षिण कोरिया दोनों के ही खिलाफ आक्रामक अंदाज में शुरूआत करके पहले कुछ मिनटों में गोल जमाकर खेल पर दबदबा बनाने की रणनीति अपनाई और यह रणनीति कारगर साबित हुई।

हरमनप्रीत की अगुआई वाला डिफेंस हो या अभिषेक की अगुआई वाली अग्रिम पंक्ति बहुत दमदार नजर आई। हरमनप्रीत का हमलों में आगे तक जाना और अभिषेक का डिफेंस के समय सर्किल में रहना टीम की फिटनेस का बताता है। वहीं जर्मनप्रीत, हार्दिक सिंह की अगुआई वाली हाफ लाइन भी गेंद को लगातार आगे रखने में सक्षम नजर आई। भारतीय टीम यदि इसी तरह खेलती रही, तो बहुत संभव है कि 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में पदक का रंग बदल जाए और अगले साल विश्व कप में भारतीय टीम पोडियम पर चढ़ती नजर आए। भारतीय टीम इस चैंपियनशिप में अपने प्रदर्शन में लगातार सुधार करती नजर आई। आखिर में वह एक इकाई के तौर पर खेलती दिखी। क्रेग फुल्टोन के कोच के रूप में आने के बाद भारतीय टीम एरियल पासों का इस्तेमाल करने लगी है। आमतौर पर एशिया की टीमें एरियल पासों वाले खेल को कम ही खेलती दिखती रहीं हैं। पर भारतीय टीम का अब यह भी प्रमुख अस्त्र बन गया है। इस मामले में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने महारत हासिल कर ली। उनके नपे-तुले स्कूपों पर कई बार प्रतिद्वंद्वी ठगे से नजर आए। दक्षिण कोरिया भी इस खूबी की वजह से मैच में अधिकांश समय बचाव करती नजर आई।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत वैसे तो किसी तारीफ के मोहताज नहीं हैं। वह पिछले पेरिस ओलंपिक में सर्वाधिक गोल जमाने वाले रहे हैं। वह अनुभव के साथ निरंतर निखरते नजर आ रहे हैं। पेनल्टी कॉर्नरों पर गोल जमाने में तो वह महारत रखते ही हैं। साथ ही हमले बनाने में भी उनकी अहम भूमिका रहने लगी है। भारत का पहले मिनट में खाता खुलवाने में भी उनकी भूमिका अहम रही। उन्होंने पहले ही मिनट में कोरियाई डिफेंस को छकाते हुए सर्किल में खड़े सुखजीत को

पास दिया और उन्होंने रिवर्स शॉट से गोल भेद दिया। भारत के चौथे गोल को जमाया भले ही अमित रोहिदास ने पर इसमें भी हरमनप्रीत की भूमिका बेहद खास रही। क्रेग फुलटोन ने कहा, ह्यमैंने पहले कहा था कि हम एशिया में नंबर एक बनना चाहते हैं और टीम में गहराई लाना चाहते हैं। हमें लगता है कि हम वहां पहुंच रहे हैं। हमने अच्छी तैयारी की और अच्छा प्रदर्शन किया। टीम के खिलाड़ी बेहद समझदार हैं। इसलिए वह जो भी कोशिश करते हैं, उसे अंजाम तक पहुंचाते हैं। हम विरोधी टीम के साथ अपनी टीम पर भी बहुत होम वर्क करते हैं और यह उसका ही परिणाम है। भारत के विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने से अब उन्हें इसकी तैयारी के लिए पूरा एक साल मिलेगा। इसका हम सही उपयोग कर सकें तो 1975 के बाद पहली बार भारत खिताब की उम्मीद कर सकता है।

(लेख में विचार निजी हैं)

विपक्ष की नकारात्मक राजनीति और राष्ट्र-विरोधी विमर्श पर राष्ट्रवाद की जीत ने कई संदेश दिये

उपराष्ट्रपति चुनाव के परिणाम ने भारतीय राजनीति में कई नये संकेत दिए हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए के उम्मीदवार सी.पी. राधाकृष्णन ने विपक्षी खेमे के साझा प्रत्याशी और पूर्व न्यायाधीश बी. सुदर्शन रेड्डी को मात देकर देश के 15वें उपराष्ट्रपति पद पर विजय हासिल की। यह विजय कई मायनों में खास है क्योंकि 452 बनाम 300 वोट का अंतर केवल एक चुनावी आँकड़ा नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की नयी दिशा की ओर इशारा करता है।

विपक्षी एकता तार-तार

विपक्ष ने दावा किया था कि उसके सभी 315 सांसद मतदान में उपस्थित रहे और पूरा खेमे ने एकजुटता दिखायी। लेकिन नतीजे में विपक्ष 15 वोट पीछे रह गया और उतने ही वोट अमान्य घोषित हुए। इसका सीधा अर्थ यह है कि विपक्षी खेमे में या तो क्रॉस वोटिंग हुई या जानबूझकर अमान्य मत डाले गये। यही घटना विपक्षी गठबंधन की एकता पर गहरे सवाल खड़े करती है। दरअसल, इस परिणाम ने विपक्षी दलों की आंतरिक असहमति और पारस्परिक अविश्वास को उजागर कर दिया है।

राष्ट्रवादियों की जीत के मायने

उधर, राधाकृष्णन ने अपनी जीत को 'राष्ट्रवादियों की जीत' बताया है। इसका सकारात्मक अर्थ यह है कि एनडीए की राजनीति केवल चुनावी अंकगणित तक सीमित नहीं है, बल्कि वह राष्ट्रवादी विचारधारा को जनता और सांसदों के बीच एक व्यापक स्वीकृति दिलाने में सफल रहा है। देखा जाये तो हाल के वर्षों में विपक्ष ने अपनी राजनीति का केन्द्र सत्ता विरोध तक सीमित कर दिया है। स्वस्थ लोकतांत्रिक विमर्श की जगह आरोप-प्रत्यारोप, नकारात्मक प्रचार और देश की संवैधानिक संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करने की परंपरा बनती जा रही है। संसद से लेकर न्यायपालिका और चुनाव आयोग तक, विपक्ष की ओर से लगातार यह प्रयास देखा गया है कि जनता के मन में इन संस्थानों के प्रति अविश्वास पैदा किया जाए। यही कारण है कि उपराष्ट्रपति चुनाव केवल एक पद के लिए मतदान नहीं था, बल्कि यह उस नकारात्मक राजनीति और राष्ट्र-विरोधी विमर्श के खिलाफ एक जनादेश की तरह सामने आया।

सी.पी. राधाकृष्णन की ऐतिहासिक जीत ने स्पष्ट कर दिया है कि देश की राजनीति में राष्ट्रवाद की विचारधारा ही जनता के विश्वास की धुरी है। विपक्ष भले ही इसे 'संख्या

का खेल' बताने का प्रयास करे, लेकिन तथ्य यह है कि क्रॉस वोटिंग और विपक्षी खेमे में बिखराव ने उनकी एकता की पोल खोल दी। यह संदेश दूर तक गया है कि जब बात राष्ट्रहित और स्थिरता की आती है तो विपक्षी दलों के भीतर भी कई लोग एनडीए के साथ खड़े होना पसंद करते हैं। यह जीत विपक्ष द्वारा रची जा रही उस नकारात्मक छवि को भी ध्वस्त करती है जिसमें संवैधानिक पदों को मात्र राजनीतिक उपकरण के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा था। राधाकृष्णन ने इसे राष्ट्रवाद की जीत कहा है और इसमें गहरा संदेश छिपा है। दरअसल, यह जीत उन लोगों के लिए आश्वस्ति है जो मानते हैं कि लोकतंत्र में विरोध जरूरी है लेकिन विरोध की आड़ में देश की संस्थाओं को कमजोर करना आत्मघाती है। देखा जाये तो उपराष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रवादियों की जीत विपक्ष की नकारात्मक राजनीति पर करारा जवाब है।

तमिलनाडु की राजनीति पर क्या असर होगा?

इसके अलावा, उपराष्ट्रपति पद पर सीपी राधाकृष्णन की जीत का गहरा असर तमिलनाडु की राजनीति पर भी पड़ने वाला है। तमिलनाडु लंबे समय से द्रविड़ राजनीति का गढ़ रहा है, जहां भाजपा अब तक सीमित प्रभाव ही बना पाई है। लेकिन राधाकृष्णन जैसे वरिष्ठ और लोकप्रिय नेता का इस संवैधानिक पद तक पहुँचना भाजपा और एनडीए के लिए, एक मनोबलवर्धक उपलब्धि है। सबसे पहले, यह जीत भाजपा को तमिलनाडु में राजनीतिक स्वीकार्यता दिलाती है। अब भाजपा केवल 'बाहरी ताकत' नहीं, बल्कि तमिलनाडु से जुड़ा चेहरा रखने वाली राष्ट्रीय पार्टी के रूप में उभरेगी। राधाकृष्णन की साफ-सुथरी छवि और जमीनी पकड़ भाजपा को उन मतदाताओं के बीच पहुँचाने में मदद करेगी जो अब तक द्रविड़ पार्टियों के बीच उलझे रहे। जब तमिलनाडु के मतदाता देखेंगे कि उनके ही राज्य से आया एक नेता राष्ट्रीय राजनीति में इतना बड़ा पद हासिल कर रहा है, तो उन्हें भाजपा की प्रासंगिकता का अहसास होगा। यह विजय यह भी संदेश देती है कि भाजपा केवल उत्तर भारत की पार्टी नहीं है। दक्षिण भारत में भी भाजपा का राजनीतिक विस्तार संभव है। राधाकृष्णन की जीत से एनडीए को स्थानीय सहयोगी दलों के साथ तालमेल मजबूत करने में मदद मिलेगी और आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा का वोट शेयर बढ़ाने का आधार बनेगा।

देखा जाये तो तमिलनाडु में भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती डीएमके और एआईएडीएमके जैसी स्थापित द्रविड़ पार्टियां रही हैं। लेकिन उपराष्ट्रपति चुनाव ने दिखा दिया कि भाजपा अब 'किनारे की खिलाड़ी' नहीं रही, बल्कि उसकी जड़ें मजबूत हो रही हैं। यह जीत भाजपा-एनडीए कार्यकताओं को जोश से भर देगी और जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि अगर राष्ट्रीय स्तर पर तमिलनाडु का नेता इतना बड़ा पद हासिल कर सकता है तो राज्य की राजनीति में भी भाजपा का भविष्य सुरक्षित है। राधाकृष्णन की जीत भाजपा और एनडीए के लिए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों का मनोवैज्ञानिक और राजनीतिक पूंजी बनकर सामने आएगी, जो दक्षिण में पार्टी के विस्तार की दिशा में निर्णायक कदम साबित हो सकती है।

क्षेत्रीय दलों ने क्या संदेश दिया?

इसके अलावा, इस चुनाव में क्षेत्रीय दलों का रुख भी महत्वपूर्ण रहा। आंध्र प्रदेश की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने एनडीए उम्मीदवार का समर्थन किया, ओडिशा की बीजेडी और तेलंगाना की बीआरएस ने मतदान से अनुपस्थित रहकर अप्रत्यक्ष रूप से एनडीए की मदद की। यह स्थिति साफ दिखाती है कि राष्ट्रीय राजनीति में एनडीए की पकड़ मजबूत हो रही है और कई क्षेत्रीय दल अवसरवादी राजनीति की बजाय केंद्र की स्थिरता और शक्ति संतुलन के साथ खड़े होने का संकेत दे रहे हैं। यह संदेश विपक्षी खेमे के लिए और भी चुनौतीपूर्ण है।

बिहार चुनाव पर क्या असर होगा?

यही नहीं, उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए की इस बड़ी जीत के राजनीतिक निहितार्थ बिहार तक भी पहुँचते हैं, जहाँ निकट भविष्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। एनडीए की यह जीत विपक्षी गठबंधन की कमजोरियों को उजागर करती है और बिहार में भाजपा-जदयू की साख को और मजबूत करती है। यह परिणाम बताता है कि केंद्र से लेकर राज्य तक एनडीए अपनी पकड़ बनाये हुए है और विपक्षी दलों का 'एकजुट मोर्चा' केवल घोषणाओं तक ही सीमित है।

बहरहाल, सी.पी. राधाकृष्णन की जीत केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं है, बल्कि यह भारतीय राजनीति में एनडीए की बढ़ती धमक, विपक्षी खेमे में बिखराव और राष्ट्रवादी विचारधारा की स्वीकृति का प्रतीक है। दक्षिण में भाजपा के लिए नए अवसर खुल रहे हैं, क्षेत्रीय दल एनडीए के प्रति झुकाव दिखा रहे हैं और विपक्षी एकता का दावा खोखला साबित हुआ है। यह सब मिलकर राष्ट्रीय राजनीति में एनडीए को एक और मजबूत स्थिति में खड़ा कर देता है।

सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव की नामांकन प्रक्रिया संपन्न, सरगर्मी तेज

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):– सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन हसनपुर के वर्ष 2025-26 के चुनाव की सरगर्मी अब पूरी तरह परवान पर है। बीते मंगलवार को प्रातः 11:00 बजे नामांकन प्रक्रिया औपचारिक रूप से प्रारंभ हुई। वरिष्ठ अधिवक्ता समिति के अध्यक्ष एवं चुनाव अधिकारी अरविंद कुमार गुप्ता एडवोकेट ने जानकारी दी कि अलग अलग पदों के लिए नामांकन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि अध्यक्ष पद के लिए नंदराम सिंह एवं सुनील कुमार शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए प्रमोद कुमार शर्मा एवं सतेंद्र पाल सिंह महासचिव पद के लिए अंशू त्यागी एवं सुमन सिंह चौहान, कोषाध्यक्ष पद के लिए कुलभूषण सक्सेना, मोहम्मद जावेद एवं सतबीर सिंह, उपाध्यक्ष पद के लिए केवल एक नामांकन पंकज कुमार, उप सचिव (प्रशासन) के लिए भी केवल एक नामांकन नाजिर खान का हुए हैं। नामांकन पत्रों की वापसी आज 11 बजे तक निर्धारित की गई है। आज दोपहर से ही नामांकन पत्रों की जांच के बाद 4:00 बजे तक प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी कर दी जाएगी। प्रत्याशियों की अंतिम प्रकाशित सूची के आधार पर अध्यक्ष,वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महासचिव एवं कोषाध्यक्ष पदों पर मतदान शुक्रवार को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 3:00 तक अधिवक्ता परिसर वाह्य न्यायालय सिविल कोर्ट हसनपुर, में संपन्न होगा। नामांकन प्रक्रिया के अवसर पर सहायक चुनाव अधिकारी भूदेव सिंह राणा एडवोकेट भी उपस्थित रहे। चुनाव प्रक्रिया की शुरूआत के साथ ही अधिवक्ता समुदाय में चचाओं और हलचल का दौर तेज हो गया है। प्रत्याशी और समर्थक सक्रिय हो चुके हैं तथा चुनावी माहौल पूरी तरह से सरगर्म हो उठा है।

सड़क हादसे में सेल्समैन की मौत, हादसे के समय नशे में था ट्रैक्टर चालक

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):– नगर के मोहल्ला मायापुरी के रहने वाले एक 22 वर्षीय युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतक युवक पैसे से सेल्समैन था एवं गजरौला के मोहल्ला मायापुरी के सुनारों वाले मोहल्ले का निवासी था जिसकी पहचान आकाश वर्मा के रूप में हुई । बता दें कि मामले में प्राप्त जानकारी अनुसार मंगलवार की देर रात खाद गुर्जर रोड पर गांव शाहबाजपुर माफी के निकट यह हादसा होना बताया जा रहा है ,परिजनों का आरोप है कि हादसा एक मिट्टी से लदे ट्रैक्टर ट्राली से हुआ है उनका कहना है कि ट्रैक्टर ट्राली चालक नशे की हालत में था और ट्रैक्टर ट्राली एक हिंदू संगठन के जिला स्तरीय नेता की बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस द्वारा मृतक युवक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पोस्टमार्टम के बाद मृतक युवक के परिजन उसके सब को लेकर गजरौला थाने पहुंचे और उन्होंने मांग की कि मामला अज्ञात के खिलाफ नहीं बल्कि ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध दर्ज किया जाए। थाना प्रभारी मनोज कुमार ने परिजनों को मामले में उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है जिसके बाद परिजन मृतक युवक के शव को लेकर अंतिम संस्कार के लिए चले गए।

विकास खण्ड बनियाखेड़ा में मिशन वात्सल्य के अन्तर्गत ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न

संभल (सब का सपना):- जिलाधिकारी के दिशा निदेशों के क्रम में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक खण्ड विकास अधिकारी अमरजीत सिंह की अध्यक्षता में विकास खण्ड बनियाखेड़ा सभागार में संपन्न हुई। समिति की बैठक में बालकों को बाल संरक्षण एवं सशक्त सरक्षणात्मक परिवेश पालन पोषण करने, बाल श्रम, बाल तस्करी बाल विवाह, परिवार की देख-रेख पाने, हिंसा व दुर्व्यवहार से बचने और संरक्षण जैसे विषय पर चर्चा की गयी। बाल विकास परियोजना अधिकारी प्रभारी श्रीमती विनोद बाला द्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 एवं बाल संरक्षण एवं कल्याण से जुड़ी योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से बताते हुए आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियमित समीक्षा हेतु कहा। बैठक में संरक्षण अधिकारी तेजपाल यादव ने सरकार द्वारा बालकों के हितार्थ चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, बाल विवाह, बाल श्रम आदि के बारे में विस्तृत रूप से बताते हुये इन योजनाओ के अन्तर्गत पात्र बालको को नियमानुसार लाभान्वित करने हेतु कहा गया। 1098, 181, 112, 1076, 108, 102 आदि हेल्पलाइन नंबर के बारे में विस्तृत रूप मे बताते हुये इन सभी को प्रयोग हेतु कहा गया। सहायक विकास अधिकारी नीरज कुमार ने बैठक के माध्यम से सभी सचिवों को निर्देश दिये कि ग्राम पंचायत स्तर की बैठक में समस्त सदस्यों की सक्रिय सहभागिता होनी चाहिए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। बैठक में बाल कल्याण समिति से अध्यक्ष गौरव गुप्ता पुलिस विभाग से अजय सिंह एस0आई0, खेमपाल सिंह सामाजिक कार्यकर्ता, विनोद आदि उपस्थित रहे।

दहेज प्रथा को समाप्त करने व बाल श्रम को रोकने के लिए जागरूकता कार्यक्रम

अमरोहा (सब का सपना):– महिला कल्याण विभाग द्वारा संकल्पः हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन योजना के अन्तर्गत 10 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उक्त के क्रम में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के आदेशों के अनुपालन में तथा मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र महोदय एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह के दिशा निदेर्शानुसार बुद्धवार को आंगनबाड़ी केंद्र, गांव मुबारकपुर ,जोया में महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता के विषय पर विशेष जागरूक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सहायक लेखाकार अपूर्वा ने महिलाओं व किशोरी और बालिकाओ को पोषक तत्वों से भरपूर भोजन का उपभोग, स्थानीय स्वस्थ आहार पर ध्यान केन्द्रित करना तथा स्वास्थ्य एवं पोषण के बारे में विशेष रूप से जागरूक किया ।इसके साथ ही मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला जिसमे योजना की बढ़ाई गई धनराशि के बारे मे एवं स्पॉन्सरशिप योजना, निराश्रित पेंशन योजना एवं वन स्टाप सेंटर तथा चाइल्ड हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली एवं वहां प्राप्त होने वाली सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ में 18 वर्ष से कम उम्र के बालक व बालिकाओं के साथ हों रही यौन हिंसा से बचने व उनकी शिकायत करने एवं अपनी बात खुलकर रखने के बारे में जानकारी दी गई और उनके अधिकारों के बारे में बताया गया। सरकार द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर 1098, 181, 1090, 112, 1076 की जानकारी भी प्रदान की गई। दहेज प्रथा को समाप्त करने, ,बाल श्रम को रोकने के लिए सभी को जागरूक किया गया। वह सुविधा दे। इस अवसर पर,अपूर्वा, सहायक लेखाकार, अनुराधा भारती ,पैरामेडिकल नर्स , नरेन्द्र पाल, बबीता देवी ग्राम प्रधान व पंचायत सहायक, आदि उपस्थित रहे

भारतीय किसान यूनियन चौधरी करतार सिंह गुट ने की किसान महापंचायत

अमरोहा (सब का सपना):– जिले में बुधवार को भारतीय किसान यूनियन चौधरी करतार सिंह गुटकी एक किसान महा पंचायत किसानो की समस्याओं को लेकर अतरासी फ्लाईओ के नीचे की गई। महापंचायत को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी महावीर सिंह ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में किसान एक बड़ा कर्जदार बनकर उभरा है क्योंकि किसान की फसलों का लाभकारी व उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। इसलिए आज कर्ज की वजह से आत्महत्या करने को मजबूर है। और आने वाले गाने के सत्र 2025 26 के लिए यदि समय रहते सरकार द्वारा गाने का रेट ङ्र500 प्रति कुंतल घोषित नहीं किया गया तो किसान आंदोलन को वाद्य होंगे। जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी और साथ ही महा पंचायत में संगठन द्वारा घोषणा की गई। की स्मार्ट मीटर किसी भी दशा में नहीं लगने देंगे जिला अध्यक्ष चौधरी जयसुख लाल सिंह ने कहा कि बैंकों द्वारा जो किसानों की सब्सिडी आती है वह पैसा तत्काल उनके खाते में पहुंचाया जाए किसान महापंचायत में गन्ना विभाग जल निगम विद्युत विभाग प्रथमा बैंक के अधिकारी थाना अध्यक्ष राजबपुर कोमल तोमर फोर्स के साथ महापंचायत स्थल पर मौजूद रही किसान महापंचायत में बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे महापंचायत की अध्यक्षता मास्टर भारत सिंह ने कि व संचालन युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी जगदीश सिंह ने किया कार्यक्रम में यह मौजूद रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी महावीर सिंह युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी जगदीश सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी यसवीर सिंह मंडल उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह जिला अध्यक्ष चौधरी जय सुखलाल प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी चेतन सिंह जिला अध्यक्ष चौधरी आशीष जिला मेरठ, जिला अध्यक्ष चौधरी अरविंद सिंह जिला बुलंदशहर राष्ट्रीय सचिव रणवीर सिंह, चौधरी शूरवीर सिंह युवा ब्लॉक अध्यक्ष सुखविंदर सिंह मास्टर राजवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

विकसित उत्तर प्रदेश@ 2047 अभियान के अंतर्गत अमरोहा मे 11 और 12 को होगा विशेष कार्यक्रम

अमरोहा (सब का सपना):– उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विकसित भारत @ 2047 की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से समर्थ उत्तर प्रदेशः विकसित उत्तर प्रदेश @2047 अभियान संचालित किया जा रहा है। उक्त जानकारी देते हुए जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया है कि इस अभियान के अंतर्गत नागरिकों की सक्रिय भागीदारी एवं सुझावों के आधार पर प्रदेश को विकसित राज्य बनाने की दिशा में ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी। उन्होंने बताया कि जिले में 11 एवं 12 सितंबर को तीन स्थानों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में औद्योगिक विकास, कृषि एवं पशुधन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन, अवसंरचना व नगर एवं ग्राम विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, आईटी, उभरती प्रौद्योगिकी, सुरक्षा एवं सुशासन आदि विषयों पर विशेष सत्र होंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि संवाद कार्यक्रम में शासन द्वारा नामित सेवानिवृत्त आई०ए०एस० करन सिंह चौहान, सेवानिवृत्त विशेष महानिदेशक रणजीत सिंह, आचार्य चौ०चरण सिंह वि०वि० मेरठ प्रो० मृदुल कुमार गुप्ता, सह निदेशक (सह० प्राध्यापक) सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक वि०वि० डॉ० अरविन्द कुमार, सेवानिवृत्त मुख्य कार्यकारी अभियंता राजीव शर्मा और जनपद के नोडल अधिकारी एवं आवास आयुक्त डा0 बलकार सिंह उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रमों का आयोजन 11 सितंबर को कृषि विज्ञान केंद्र गजरौला में अपराह्न 03 बजे, 12 सितंबर को कलेक्ट्रेट सभागार में पूर्वा 10 बजे और वेंकटेश्वरा विवि में दोपहर 12 बजे किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि इन कार्यक्रमों में नोडल अधिकारी एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहकर समन्वय स्थापित करेंगे। इस दौरान शिक्षक, व्यापारी, किसान, उद्यमी, श्रमिक संगठन, बैंकर्स, महिला समूहों, छात्र-छात्राएँ एवं आम जनमानस से संवाद स्थापित कर उनके अमूल्य सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त किए जाएंगे। प्रबुद्धजनों से प्राप्त सुझावों एवं फीडबैक को संकलित कर शासन स्तर पर भेजा जाएगा, जिससे प्रदेश सरकार वर्ष 2047 तक उत्तर प्रदेश को विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने के संकल्प की दिशा में ठोस रणनीति तैयार कर सके। जिले के इन कार्यक्रमों के माध्यम से विजन @2047 से जनसामान्य की सहभागिता सुनिश्चित कर समान, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के निर्माण की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम उठाया जाएगा।

सड़क पर शराबी को बचाने में पलटने से बचा अमोनिया गैस का टैंकर, खाई में धंसने से दहशत में आए लोग

अमरोहा/हसनपुर : नशे की हालत में लड़खड़ाते हुए सड़क पर चल रहे व्यक्ति को बचाने के फेर में एंबुलेंस के चालक के इमरजेंसी ब्रेक लगाने पर अमोनिया गैस से भरा टैंकर पलटने से बाल-बाल बच गया। वह एंबुलेंस में साइड मारकर खंदक में धंस गया। उधर अमोनिया गैस का टैंकर खंदक में धंसने से लोग घबरा गए। एंबुलेंस चालक ने शराबी को बचाने के लिए इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए मंगलवार देर शाम गंगेश्वरी क्षेत्र के गांव मेहरपुर से एंबुलेंस मरीज को छोड़कर हसनपुर लौट रही थी। रास्ते में हसनपुर रहरा मार्ग हथियाखेड़ा गांव के समीप अचानक सामने एक शराबी आ गया। एंबुलेंस चालक ने शराबी को बचाने के लिए इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। पीछे चल रहे टैंकर के चालक सुरेंद्र निवासी हसनपुर ने बचाव का प्रयास किया लेकिन, सड़क से उतरकर किनारे खंदक में धंस गया। चालक ने टैंकर को पलटने से बचा लिया हालांकि, चालक ने टैंकर को पलटने से बचा लिया। लोगों का कहना है कि अमोनिया गैस खतरनाक होती है टैंकर पलट जाता तो बड़ी घटना घटित हो सकती थी। क्रेन की सहायता से अमोनिया गैस से भरे टैंकर को निकाल लिया गया सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। क्रेन की सहायता से अमोनिया गैस से भरे टैंकर को निकाल लिया गया है।

कलयुगी बहु ने अपनी सास के सिर में ईंट मारकर किया लहुलुहान

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):– नगर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में कलयुगी बहू ने अपनी ही सास के सिर में ईंट मार कर उसे लहुलुहान कर दिया इसके बाद घायल महिला थाने पहुंची और कानूनी कार्यवाही की मांग की। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव कुदैना चक का है जहां की रहने वाली महिला मीना का कहना है कि उसके बेटे की बहू आए दिन उसके साथ झगड़ती रहती है और मारपीट करती है। बुधवार को भी उसने उसके साथ झगड़ा किया और झगड़े के दौरान मीना के बेटे की बहू ने उसके सिर में ईंट मार कर घायल कर दिया। इसके बाद घायल महिला कोतवाली पहुंची और बहू के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की।

मृतक जीशान की हत्या का पुलिस ने किया खुलासा, अभियुक्त गिरफ्तार

सैदनगली/अमरोहा (सब का सपना):– थाना पुलिस व एसओजी/सर्विलांस टीम अमरोहा के सहयोग से हत्या की घटना का सफलतापूर्वक अनावरण कर 01 अभियुक्त गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से आलाकत्ल (एक लोहे के पाईप मे जुडा चैन स्पाकिट) बरामद हुआ ।06 सितंबर को करीब दोपहर 03.40 बजे थाना सैदनगली क्षेत्रान्तर्गत इकोन्दा रोड पर बन्द पडी मैंथा फैक्ट्री के पास तालाब के किनारे मृतक जीशान अहमद पुत्र अनीश अहमद उम्र करीब 30 वर्ष कस्बा उझारी थाना सैदनगली का शव संदिग्ध परिस्थितियो में पड़ा होने के सूचना पुलिस को प्राप्त हुई थी, जिसकी सूचना मिलने पर तत्काल उच्चाधिकारी, थाना सैदनगली पुलिस व फिल्ड यूनिट मौके पर पहुँचे तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया था। मृतक की स्पलेन्डर बाईक तालाब में पडी मिली थी । स्थानीय पुलिस के द्वारा आवश्यक कार्यवाही करते हुये शव का पोस्टमार्टम कराया गया था और मृतक के भाई की तहरीर के आधार पर थाना सैदनगली पर मु0अ0सं0 235/2025 धारा 103(1)/238 बीएनएस बनाम बिलाल पुत्र नईम निवासी मो0 नोरंगाबाद कस्बा उझारी थाना सैदनगली जनपद अमरोहा पंजीकृत किया गया। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा घटना के शीघ्र खुलासा करने हेतु अपर पुलिस अधीक्षक एंव क्षेत्राधिकारी के द्वारा थाना सैदनगली पर टीम का गठन किया गया । गठित टीम द्वारा सीसीटीवी कैमरों एवं सर्विलांस के माध्यम से आज बुधवार को मुकदमा में वांछित अभियुक्त बिलाल पुत्र नईम निवासी मौ0 नौरंगाबाद कस्बा उझारी थाना सैदनगली अमरोहा को ढबारसी रोड से मंगरौला की ओर जाने वाली सर्विस रोड पर सापा अन्डर पास के नीचे से गिरफ्तार किया गया है। अन्य विधिक कार्यवाही प्रचलित है । पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ में जानकारी हुई कि अभियुक्त बिलाल एवं उसके दोस्त मृतक जिशान में लगभग 4 माह पूर्व विवाद हुआ था, बाद में सुलह हो गई थी। जिसके बाद 05 सितंबर को मृतक जिशान द्वारा अभियुक्त बिलाल के साथ गाली गलौज की गयी तो इससे आहत होकर बिलाल ने बदला लेने की योजना बनायी। उसने घर में रखा लोहे का पाइप (चेन स्पाकिट सहित) झाड़ियों में छिपा दिया। उसी दिन शाम को मृतक जिशान को घुमाने के बहाने इकोंदा रोड स्थित बंद मैंथा फैक्ट्री के पास ले गया। वहां दोनों ने शराब पी, इस दौरान जिशान नशे में हो गया तो बिलाल ने छिपाए गये पाइप से उसके सिर व शरीर पर वार कर हत्या कर दी। बाद में मृतक जिशान की मोटरसाइकिल तालाब में डाल दी, मोबाइल फेंक दिया तथा हत्या में प्रयुक्त पाइप झाड़ियों में छिपा दिया गया था।

राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सम्भल स्थित चन्दौसी द्वारा बताया गया कि उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार हेतु जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, संभल स्थित चंदौसी श्री दुर्ग नरायन सिंह द्वारा प्रचार वाहन को बुद्धवार को प्रातः 10.00 बजे हरी झंडी दिखायी गयी। न्यायपालिका द्वारा नागरिकों को त्वरित, सुलभ एवं निःशुल्क न्याय दिलाने के उद्देश्य से आगामी दिनांक-13.09.2025 को आयोजित की जा रही राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार-प्रसार हेतु आज जनपद न्यायालय सम्भल स्थित चन्दौसी में एक विशेष प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण। जनपद न्यायाधीश, सम्भल स्थित चन्दौसी ने प्रचार वाहन को रवाना किया। उन्होंने

बताया कि लोक अदालत में छोटे-मोटे झगड़े, पारिवारिक विवाद, बैंक ऋण, बिजली-पानी के बिल, यातायात चालान, श्रम विवाद इत्यादि मामलों का आपसी सुलह के माध्यम से निपटारा किया जायेगा। प्रचार वाहन के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में जाकर आमजन को लोक अदालत की प्रक्रिया, लाभ एवं उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया जायेगा। इस वाहन में जनसामान्य के लिए पोस्टर, बैनर, ध्वनि यंत्र एवं जानकारी से युक्त सामग्री शामिल की गयी हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/ जनपद न्यायाधीश, सम्भल स्थित चन्दौसी दुर्ग नरायन सिंह, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय सम्भल स्थित चन्दौसी वीरकनेडी लाल, अपर सत्र न्यायाधीश चंदौसी आरती फौजदार, अपर सत्र न्यायाधीश विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सम्भल स्थित चंदौसी अवधेश कुमार सिंह, प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/ सिविल जज (सी.डि.) / ए.सी. जे.एम. संभल स्थित चंदौसी आदित्य सिंह, सिविल जज (जू.डि.) जे.एम. संभल स्थित चंदौसी श्रीमती दिव्या गर्ग, न्यायिक मजिस्ट्रेट सम्भल स्थित चन्दौसी दिव्या चिंडालिया एवं बार एसोसिएशन चंदौसी के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह व सचिव तीरथ राज यादव आदि उपस्थित रहे।

कल्कि देव तीर्थ समिति एवं पर्यटन विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में संभल कल्कि देव तीर्थ समिति एवं पर्यटन विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अंतर्गत सम्भल के प्राचीन 68 तीर्थ एवं 19 महाकूपों के विषय में चर्चा की गयी। जिलाधिकारी द्वारा प्राचीन तीर्थों एवं महाकूपों पर नगर पालिका एवं पर्यटन विभाग द्वारा क्या क्या कार्य किए जा रहे हैं उसको लेकर जानकारी प्राप्त की एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला पर्यटन अधिकारी प्रदीप टमटा ने बताया कि कुरुक्षेत्र तीर्थ के विकास के लिए शासन द्वारा ड्ट175.20 लाख की धनराशि स्वीकृत की है जबकि मनोकामना तीर्थ के विकास के लिए ड्ट224.40 लाख की धनराशि तथा नैमिषारण्य तीर्थ के विकास के लिएड्ट205.60

लाख की धनराशि स्वीकृत की है। प्राचीन कल्कि मंदिर एवं हरि बाबा धाम तथा माँ कैलादेवी मंदिर के विकास कार्यों को लेकर भी चर्चा की गयी एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डिप्टी कलक्टर सौरभ कुमार पाण्डेय द्वारा भारत के भारत रत्न प्राप्त, परमवीर चक्र प्राप्त तथा अशोक चक्र प्राप्त महान विभूतियों तथा शहीदों के लिए एक आर्ट गैलरी का सुझाव रखा गया। जिलाधिकारी द्वारा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। नैमिषारण्य तीर्थ के महंत बाल योगी दीनानाथ जी महाराज द्वारा परिक्रमा मार्ग के कुछ स्थान पर खराब होने की जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि शीघ्र ही मार्ग को सही कराया जाए। जिलाधिकारी ने बूढ़े बाबा एवं अन्य प्रमुख स्थानों की कनेक्टिविटी को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के अन्तर्गत जिला पर्यटन अधिकारी द्वारा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा बेड एण्ड ब्रेक फास्ट एवं होम स्टे नीति 2025 के विषय में भी जिलाधिकारी को जानकारी प्रदान की जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि इस योजना का ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार किया जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, डिप्टी कलक्टर सौरभ कुमार पाण्डेय, नैमिषारण्य तीर्थ के महंत बाल योगी दीनानाथ महाराज, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सुनील प्रकाश, अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग राजीव कुमार, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सम्भल डॉ मणिभूषण तिवारी, तहसीलदार सम्भल धीरेन्द्र सिंह,समिति के सदस्य संजय पोली एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

इंडोर शूटिंग रेंज बहजोई, संभल के निशानेबाज राष्ट्रीय स्तर के लिए क्वालीफाई

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जयपुर में आयोजित 48उँ उत्तर प्रदेश स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप 2025 (30 अगस्त से 7 सितम्बर) में इंडोर शूटिंग रेंज बहजोई, संभल के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में बहजोई से 14 प्रशिक्षुओं ने प्रतिभाग किया, जिनमें से 11 ने प्री-नेशनल व नॉर्थ जोन जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए क्वालीफाई किया। प्रतिभागियों में अभिमन्यु सिंह (एयर राइफल युथ वर्ग),मृत्युंजय सिंह, आरव चिकारा, त्रेहान, अविराज

आजाद (एयर पिस्टल सब-यूथ वर्ग), नैतिक तिवारी, आराध्य यादव, युवराज, (एयर राइफल सब युथ वर्ग), आराध्या (एयर पिस्टल महिला वर्ग) और नीरज कुमार, सुरेंद्र सिंह (एयर राइफल पुरुष वर्ग), सुनील कुमार सहित अन्य खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। वापस आने पर जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए निर्देशित किया और कहा कि ह्लसंभल के युवा निशानेबाजों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया है। आने वाले समय में ये खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता प्राप्त करेंगे। अवसर पर उप क्रीड़ाअधिकारी प्रमिला भारती, शूटिंग कोच मयंक कुमार, वीरपाल सिंह, आदि व्यक्ति भी उपस्थित रहे।

टी0 बी0 (क्षय) रोग के बारे मे किया गया कार्यशाला का आयोजन

हापुड़ (सब का सपना):- पण्डित गिरधारी लाल कॉलिज ऑफ एजुकेशन कुचेसर रोड चौपला हापुड़ में स्वास्थ्य विभाग हापुड़ के तत्वाधान में टी० बी० (क्षय) रोग के बारे मे एक कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमे टी० बी० की पहचान कैसे करे। उसके लक्षण तथा किस प्रकार से उसका उपचार किया जाए। साथ ही भारत सरकार द्वारा इसके उन्मूलन के लिए क्या-क्या कदम उठाये गये है। इन सब बातो को विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ० राजेश सिंह व जिला समन्वय अधिकारी डॉ० सुशील कुमार चौधरी, महाविद्यालय के निदेशक महेन्द्र शर्मा व डॉ० सत्यप्रकाश, उमेश कुमार, ब्रजपाल सिंह, कपिल दीक्षित, अनिकेत शर्मा, सीमा शर्मा, सोनम त्यागी, व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहें।

जनपद में भूकंप आपदा पर मॉक ड्रिल की तैयारी पूरी, प्रशासनिक टीम अलर्ट मोड में

हापुड़ (सब का सपना):- 9 सितंबर 2025 राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण लखनऊ के निदेर्शानुसार जनपद हापुड़ में भूकंप आपदा पर आधारित राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज-2025 के तहत आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सम्पन्न हुई, जिसमें जिले के सभी प्रमुख विभागों ने भाग लिया। ५उ के माध्यम से अधिकारियों को आगामी मॉक ड्रिल की रूपरेखा, जिम्मेदारियाँ और समन्वय तंत्र की जानकारी दी गई। अब इसके अगले चरण में जनपद हापुड़ के तीनों तहसीलों में मॉक ड्रिल का आयोजन किया जायेगा। जिसकी तैयारी अंतिम चरण में है। इस अभ्यास को तीन चरणों में विभाजित किया गया है, पहला चरण 9 सितम्बर को समन्वय बैठक के रूप में सम्पन्न हुआ, दूसरा चरण 16 सितम्बर को जमीनी स्तर पर अभ्यास के रूप में आयोजित होगा, और तीसरा चरण 19 सितम्बर को समापन समीक्षा एवं रिपोर्ट प्रस्तुति के रूप में सम्पन्न होगा। जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे आगामी अभ्यासों के लिए आवश्यक अग्रिम तैयारियाँ सुनिश्चित करें और समय से प्रतिभाग करें। इस अभ्यास में

पुलिस, स्वास्थ्य, अग्निशमन, सिंचाई, परिवहन, सूचना विज्ञान, पशुपालन, नगरपालिका, आपदा प्रबंधन, सेना और एनडीआरएफ की टीमें संयुक्त रूप से भाग लेंगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद तहसील हापुड़ के भवनों, रेलवे स्टेशन और पुलों पर मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। सभी विभागों की टीमें मौके पर तैनात रहेंगी और आपदा की स्थिति में रेस्क्यू, प्राथमिक चिकित्सा, सुरक्षित निकासी, यातायात नियंत्रण, संचार व्यवस्था की बहाली जैसी गतिविधियाँ की जाएंगी। एनडीआरएफ, सेना और जिला प्रशासन मिलकर अभ्यास को अंजाम देंगे ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित और समन्वित प्रतिक्रिया दी जा सके। तहसील धौलाना में स्कूल स्तर पर भूकंप आपदा को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा, जिसमें छात्रों को सुरक्षित निकासी, सिर ढककर बाहर निकलने और आपात स्थिति में संयम बनाए रखने का अभ्यास कराया जाएगा। शिक्षक और आपदा टीम मौके पर मौजूद रहेंगे ताकि किसी भी स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया दी जा सके। इस अभ्यास का उद्देश्य बच्चों को जागरूक करना और वास्तविक आपदा के लिए तैयार करना है। तहसील गढ़मुक्तेश्वर के अस्पताल में अग्निकांड की स्थिति को लेकर मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा, जिसमें फायर टीम, मेडिकल स्टाफ और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहेंगे। आग लगने की सूचना मिलते ही मरीजों की सुरक्षित निकासी, आग पर नियंत्रण और प्राथमिक चिकित्सा जैसी गतिविधियाँ की जाएंगी ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित और समन्वित प्रतिक्रिया दी जा सके। सेना की कमांडेंट टीम, एनडीआरएफ गाजियाबाद, जिला प्रशासन और अन्य विभागों ने संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण कर लिया है। सभी अधिकारी अपने-अपने दायित्वों के प्रति सजग हैं और मॉक ड्रिल को सफल बनाने हेतु पूरी तत्परता से जुटे हुए हैं। आपातकालीन वाहन, मेडिकल यूनिट और अस्थायी राहत शिविरों की व्यवस्था की जा रही है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस अभ्यास के दौरान सहयोग करें और घबराने से बचें। यह मॉक ड्रिल न केवल प्रशासनिक समन्वय का परीक्षण है, बल्कि यह दशार्ता है कि जनपद हापुड़ विशेष रूप से किसी भी आपदा से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। ५ू के माध्यम से प्राप्त निर्देशों को जमीनी स्तर पर लागू करने की दिशा में यह अभ्यास एक महत्वपूर्ण कदम है। सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे समय से स्थल पर उपस्थित हों और अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

यूपी के इस जिले में 61 पुलिसकर्मियों का तबादला, एसपी ने कई चौकी प्रभारी भी बदले

बहजोई। जनपद में बड़े स्तर पर पुलिस प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने 61 उपनिरीक्षकों के स्थानांतरण करते हुए विभिन्न थानों और चौकियों पर नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। आदेश के अनुसार पुलिस लाइन से उपनिरीक्षक दुष्यंत गोस्वामी को चौकी प्रभारी मंडी थाना चंदौसी, सत्यवीर को चौकी प्रभारी मढ़न थाना असमोली, दिनेश कुमार को चौकी प्रभारी कस्बा थाना रायसत्ती, नरेंद्र कुमार को चौकी प्रभारी टांडा थाना संभल, देवेंद्र कुमार उपाध्याय को चौकी प्रभारी कस्बा रजपुरा, सोमपाल सिंह को चौकी प्रभारी रिठाली थाना नखासा, प्रवीण कुमार को चौकी प्रभारी सराय तरीन थाना हयातनगर, अरुण कुमार को चौकी प्रभारी बहापुर थाना बहजोई। राम रतन सिंह को चौकी प्रभारी कस्बा थाना बहजोई, सुभाष चंद्र को चौकी प्रभारी जगन्नाथपुर थाना गुन्नौर, रामेंद्र पाल सिंह को चौकी प्रभारी टीसीएल थाना रजपुरा, रामकुमार सोम को चौकी प्रभारी दीपासराय थाना नखासा, अमित कुमार को चौकी प्रभारी गंगाबैराज थाना गुन्नौर, प्रमोद कुमार को चौकी प्रभारी बैरपुर थाना जुनावई, अजय कुमार को चौकी प्रभारी रतनपुर थाना कुढ़फतेहगढ़, महेश पाल सिंह को चौकी प्रभारी कैथल गेट थाना चंदौसी बनाया गया है। पुलिस लाइन से

सुशील चंद्र शर्मा को सम्मन सेल, जमुना प्रसाद को सम्मन सेल, ओमेंद्र सिंह को थाना धनारी, लक्ष्मी नारायण को थाना गुन्नौर, वीर सिंह को थाना गुन्नौर, राजवीर सिंह को थाना धनारी, रामदुलारे को थाना चंदौसी, मदन मोहन शर्मा को थाना चंदौसी, अवधेश कुमार को थाना हयातनगर, राम सिंह को थाना चंदौसी, रामखेलावन को थाना हयातनगर, छोटेलाल सिंह को महिला थाना, प्रदेश बाबू को कैलादेवी, विपिन सिंह को बहजोई, रहमत अली को बहजोई, मनोज कुमार शुक्ला को संभल, विनोद कुमार सिंह को रायसत्ती, रामपाल सिंह को थाना रजपुरा, रशीद मियां को थाना रजपुरा, महेश गंगवार को महिला पुलिस चौकी परामर्श केंद्र चंदौसी, विशाल शर्मा को चौकी प्रभारी कस्बा बबराला से थाना नखासा, रामबरेश सिंह को थाना धनारी। अशोक कुमार शर्मा को थाना बहजोई, विवेक कुमार दहिया को थाना साइबर क्राइम, प्रमोद कुमार मान को पुलिस लाइन से उपनिरीक्षक यातायात, जगबीर सिंह को पुलिस लाइन से थाना बबराला, इमरान को थाना साइबर क्राइम से रायसत्ती, राहुल कुमार देशवाल को चौकी प्रभारी कैथल गेट से थाना एचौड़ा कंबोह, संदीप कुमार को चौकी प्रभारी ज्ञानपुर से थाना एचौड़ा कंबोह, अंकित कुमार को पुलिस लाइन से थाना जुनावई, सौरभ कुमार को पुलिस लाइन से थाना असमोली, कुसुमलता शर्मा को चौकी प्रभारी दिनौरा थाना धनारी से थाना धनारी, संतोष कुमार सिंह को चौकी प्रभारी दीपासराय से थाना जुनावई, राजवीर सिंह को चौकी प्रभारी मंडी थाना चंदौसी से थाना चंदौसी, आदिल अहमद खान को चौकी प्रभारी अतरौली बनियाठेर से थाना जुनवई, बहजोई कस्बा चौकी प्रभारी सतेंद्र कुमार को लाइन हाजिर किया गया है। इसके अलावा सचिन भाटी को चौकी प्रभारी कस्बा रायसत्ती से मंसूरपुर माफी थाना असमोली, विजेंद्र कुमार को चौकी प्रभारी गंगाबैराज गुन्नौर से चौकी प्रभारी रीठ थाना कुढ़फतेहगढ़, पंकज कुमार को वरिष्ठ उपनिरीक्षक थाना जुनावई से चौकी प्रभारी अकरौली थाना बनियाठेर, बृजपाल सिंह को पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी कस्बा थाना बबराला, सुधीर कुमार को पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी ज्ञानपुर थाना एचौड़ा कंबोह, प्रवीण कुमार को जन शिकायत प्रकोष्ठ से चौकी प्रभारी काशीपुर थाना जुनावई में स्थानांतरित किया गया है।

भाकियू टिकैत की सदस्यता अभियान पंचायत का आयोजन

रजपुरा/संभल (सब का सपना):- जिले के रजपुरा ब्लॉक के हिरौनी गांव में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) टिकैत के सदस्यता अभियान को लेकर एक पंचायत का आयोजन किया गया। यह पंचायत गजेंद्र सिंह उर्फ पप्पू कुमार के आवास पर आयोजित हुई, जिसमें गांव के समस्त सम्मानित किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भाकियू टिकैत की सदस्यता ग्रहण की। पंचायत में किसानों ने संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया और अपनी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। पंचायत में किसानों ने डीएपी और एनपीके खाद की कमी, बिजली विभाग की जर्जर लाइनों और अवैध वसूली जैसे मुद्दों को लेकर गहरी चिंता जताई। किसानों ने कहा कि खाद की अनुपलब्धता के कारण आगामी फसलों की बुआई में

परेशानी हो रही है। साथ ही, बिजली विभाग और विद्युत विजिलेंस द्वारा छापेमारी के नाम पर अवैध शुल्क वसूला जा रहा है, जिससे किसानों को आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जर्जर बिजली लाइनों के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है, जिसका खामियाजा किसानों को उठाना पड़ रहा है। पंचायत में उपस्थित भाकियू टिकैत के प्रदेश प्रमुख महासचिव व पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी बिजेंद्र सिंह यादव और जिला अध्यक्ष मनपाल सिंह यादव ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लिया। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की कि तत्काल डीएपी और एनपीके खाद उपलब्ध कराई जाए ताकि किसानों को फसल तैयार करने में कोई दिक्कत न हो। साथ ही, जर्जर बिजली लाइनों को शीघ्र बदलने और अवैध वसूली पर रोक लगाने की मांग की। नेताओं ने

चेतावनी दी कि यदि समय रहते इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो भाकियू टिकैत बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होगी, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। पंचायत की अध्यक्षता बुलाकी सिंह ने की, जबकि संचालन तहसील अध्यक्ष महेश यादव ने किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष मनपाल सिंह यादव, चंदपाल सिंह यादव, मुकेश यादव, जवर सिंह यादव, राजपाल सिंह यादव, डॉ. पुरेंद्र सिंह यादव, गायत्री देवी, अवनीश कुमार उर्फ पप्पू यादव, प्रधान रूकमेश चाहल, मोहम्मद उमर, महेश यादव, मुख्तियार सिंह यादव, मुनेंद्र सिंह, संजीव यादव, विजेंद्र सिंह, शिवनारायण सिंह, धर्मेंद्र वर्मा, वीरेंद्र सिंह, राजू यादव, अली हसन, एडवोकेट राकेश यादव, प्रधान लव कुमार, नरेश यादव सहित बड़ी संख्या में किसान भाई मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला एवं निराश्रित महिला पेंशन योजना के अन्तर्गत जनपद को प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त

सम्भल (सब का सपना):- महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओ में माह अगस्त 2025 में विकास से सम्बन्धित मा. मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की जारी रिपोर्ट में जनपद संभल ने जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी के कुशल निर्देशन में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना एवं निराश्रित महिला पेंशन योजना में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जनपद संभल का मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में माह अगस्त 2024 में प्रदेश मे द्वितीय, माह सितंबर 2024 में तृतीय, माह अक्टूबर 2024 में प्रथम, माह नवम्बर 2024 में द्वितीय, माह दिसम्बर 2024 में प्रथम, माह जनवरी 2025 में प्रथम, माह फरवरी 2025 में प्रथम, माह मार्च 2025 में द्वितीय, माह अप्रैल 2025 में प्रथम, माह मई 2025 में प्रथम, माह जून 2025 में प्रथम, माह

जुलाई 2025 में प्रथम एवं माह अगस्त 2025 में प्रथम स्थान रहा हैं, इसी प्रकार निराश्रित महिला पेंशन योजना के अंतर्गत जनपद ने माह मार्च 2025 में प्रदेश में प्रथम, माह अप्रैल 2025 में प्रथम, माह मई 2025 में प्रथम, माह जून 2025 में प्रथम, जुलाई 2025 में प्रथम एवं अगस्त 2025 में भी प्रथम स्थान/रैंक प्राप्त किया हैं। जिलाधकारी ने योजना के क्रियान्वयन से जुड़े समस्त अधिकारियों, समस्त उपजिलाधिकारियो, समस्त खण्ड विकास अधिकारियो एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला एवं निराश्रित महिला पेंशन योजना के अन्तर्गत सभी पात्र बालिकाओ/ महिलाओं का आवेदन कराते हुए, प्राप्त आवेदन पत्रों पर अनिवार्य रूप से एक सप्ताह के अन्दर नियमानुसार उसका स्थलीय सत्यापन कर निस्तारण करें, जिससे पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ समय से मिल सके।

डूसू चुनाव के लिए नामांकन का आज अंतिम दिन, 18 सितंबर को होगी वोटिंग; तीसरे वर्ष के छात्र भी लड़ेंगे चुनाव5

दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के लिए बुधवार नामांकन करने का अंतिम दिन है। उम्मीदवार दोपहर तीन बजे तक अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। इसके बाद नामांकन पत्रों की छंटनी की जाएगी। उम्मीदवार 11 सितंबर दोपहर 12 बजे तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। मंगलवार को ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (आइसा) व स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) के संयुक्त पैनल ने अपने प्रत्याशियों के पर्चे दाखिल करवा दिए। बता दें कि डूसू चुनाव 18 सितंबर को होना है। छात्र संगठनों की तैयारी भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई), अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) जैसे प्रमुख छात्र संगठनों ने बुधवार को ही अपने उम्मीदवारों का नामांकन कराने की रणनीति तैयार की है। एनएसयूआई जहां 10-11

उम्मीदवारों के नामांकन कराएगी, वहीं एबीवीपी ने आठ से नौ उम्मीदवारों के नामांकन कराने का फैसला किया है। नामांकन पत्र के साथ 500 रुपये का डिमांड ड्राफ्ट लगाना जरूरी छात्र संगठन पैनल की घोषणा नाम वापसी वाले दिन ही करेंगे। डीयू प्रशासन ने एक अधिसूचना जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि नामांकन पत्र के साथ 500 रुपये का डिमांड ड्राफ्ट समेत अन्य दस्तावेज लगाना जरूरी है। छात्र यह हलफनामा इसलिए देंगे कि अगर वे जमानत के उल्लंघन में शामिल होते हैं, तो उन पर जुमार्ना लगाया जा सके। डीयू प्रशासन ने आखिरी दिन होने के चलते नामांकन प्रक्रिया के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। किसी तरीके के हुड़दंग से बचने के लिए पुलिस और डीयू सुरक्षाकर्मियों तैनात रहेंगे। बुधवार को ही 3.15 बजे तक फॉर्म की छंटनी की जाएगी। जिसके बाद शाम 6:00 बजे तक उम्मीदवारों के नामों की सूची जारी कर दी जाएगी। इसके बाद 11 सितंबर 12 बजे तक

•दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव 2025 के लिए नामांकन का आज आखिरी दिन है। उम्मीदवार 11 सितंबर दोपहर 12 बजे तक अपना नाम वापस ले सकेंगे

उम्मीदवार अपने नाम वापस ले सकते हैं। नाम वापस लिए जाने के बाद 11 सितंबर को शाम पांच बजे तक उम्मीदवारों की अंतिम लिस्ट जारी की जाएगी। अब तीसरे वर्ष के छात्र भी उपाध्यक्ष और संयुक्त सचिव पद पर लड़ेंगे चुनाव नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव 2025 इस बार ऐतिहासिक होने जा रहा है। इस साल उपाध्यक्ष व संयुक्त सचिव पद पर तीसरे वर्ष के छात्र भी चुनाव लड़ सकेंगे। दरअसल ऐसा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्षीय डिग्री प्रोग्राम लागू होने के कारण संभव हुआ। चार वर्ष का स्नातक प्रोग्राम होने के कारण अब तीसरे साल के छात्र अंतिम वर्ष के नहीं माने जाएंगे। इस संबंध में डूसू चुनाव समिति की और से अधिसूचना जारी कर दी गई है। अध्यक्ष व सचिव पद के लिए किसी भी वर्ष का छात्र चुनाव लड़ सकता है।

तस्करों ने अजीबोगरीब तरीके से छिपा रखी थीं हजारों शराब की बोतलें, पुलिस ने पकड़ा तो रह गए दंग

नई दिल्ली। बुराड़ी थाने की टीम ने भारी मात्रा में अवैध शराब की तस्करी कर रहे एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 7,500 क्वार्टर और 420 बोतलें बरामद की गई हैं। अवैध शराब के कार्टन पशु आहार के प्लास्टिक बैग में छिपाकर लाए जा रहे थे। पुलिस टीम ने अवैध शराब की तस्करी में इस्तेमाल किए गए टेंपो को भी जब्त कर लिया है। आरोपी की पहचान बुलंदशहर, यूपी निवासी गुलवीर सिंह उर्फ गुड्डू उर्फ नवीन के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया के अनुसार, 8 सितंबर को हेड कांस्टेबल अमर सिंह, मुकेश नैन और आशुतोष इलाके में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें मुखबिरों से भारी मात्रा में अवैध शराब के परिवहन की गुप्त सूचना मिली। सूचना पर टीम ने बुराड़ी के आरसीसी रोड स्थित पिलर संख्या 349 के पास जाल बिछाया। सुबह करीब 10:30 बजे मुकुंदपुर की ओर से आ रहे एक टेम्पो को रोका गया और उसकी तलाशी लेने पर प्लास्टिक की थैलियों में हरियाणा में बिक्री के लिए रखी गई कुल 185 पेटी (कुल 7,500 क्वार्टर बोतल और 420 बोतल) अवैध शराब बरामद हुई।

दिल्ली के कनॉट प्लेस में तेज रफ्तार कार ने पुलिस वैन को मारी टक्कर, दो लोग घायल

नई दिल्ली। कनॉट प्लेस इलाके में रेड लाइट जंप करते हुए एक तेज रफ्तार कार चालक ने पुलिस की सरकारी गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर से दोनों गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं, हालांकि कांस्टेबल को गंभीर चोटें नहीं आईं। लेकिन दूसरी गाड़ी में सवार एक महिला समेत दो लोग घायल हो गए। कार चालक को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया, जिसकी पहचान विकासपुरी निवासी दीपक शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, कांस्टेबल मनोज कुमार नॉर्थ एवेन्यू थाने में तैनात हैं। 3 सितंबर की रात करीब 11:30 बजे वह थाने के ब्रावो (निरीक्षक) को मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन पर छोड़कर अपनी सरकारी गाड़ी स्कॉर्पियो से नॉर्थ एवेन्यू थाने वापस जा रहे थे। 4 सितंबर की रात करीब 12:17 बजे जैसे ही वह जनपथ टॉलस्टॉय रेड लाइट पार करके आगे बढ़े, जनपथ रोड से कनॉट प्लेस की ओर रेड लाइट पार कर रहे एक स्विफ्ट कार चालक ने तेज रफ्तार से उनकी कार को टक्कर मार दी। उसी कार में सवार एक महिला और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए। पीसीआर ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया।

दिल्ली के बवाना में दो गुटों के बीच हुई चाकू बाजी, इलाज के दौरान दो लोगों की मौत

दिल्ली। बाहरी दिल्ली में बवाना जेजे कालोनी में सोमवार देर रात दो पक्षों में हुई चाकूबाजी में तीन लोग घायल हो गए। आनन-फानन में सभी घायलों को पास के ही अस्पताल ले जाया गया। जहां हालत गंभीर देख सभी को दूसरे अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान दोनों पक्षों के दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की शिनाख्त रहीमुल और इमरान के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान के आधार पर हत्या और हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस दोनों पक्षों के अलावा अन्य लोगों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। शुरूआती जांच में पता चला कि मामूली कहासुनी में दोनों पक्षों के बीच झगड़ा हुआ। फिर चाकूबाजी होने लगी। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि सोमवार रात करीब 9:30 बजे नरेला औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस को

बवाना के जेजे कालोनी स्थित ए ब्लॉक में सब्जी मंडी स्कूल के पास दो पक्षों के बीच चाकूबाजी की घटना की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। वहां पुलिस को रहीमुल, अब्दुल्ला और इमरान खून से लथपथ घायल अवस्था में मिले। पुलिस ने घायलों को महर्षि वाल्मीकि अस्पताल में लेकर गए। जहां सभी घायल बयान देने की हालत में नहीं थे। सभी को डाक्टरों ने अन्य अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। इमरान के पिता बोकुल शेख ने बताया कि वह उनका बवाना के आसपास वाइ-फाइ केबल बनाने का काम है। उसका बेटा इमरान हरियाणा के सोनीपत स्थित एक स्कूल की दसवीं कक्षा में पढ़ता था और स्कूल के होस्टल में रहता था। पश्चिम बंगाल से उसकी मौसी की बेटी यहां आई हुई थी। जिससे मिलने के लिए वह रविवार को नरेला स्थित अपने घर आया था। उनका आरोप है कि सोमवार शाम वह उनके कार्यालय गया था। जहां से वह स्कूटी से लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में पांच से छह लोगों ने उसे रोक लिया। विरोध करने पर आरोपितों ने उसे चाकू मारकर घायल कर दिया। उनका कहना है कि दूसरे पक्ष के लोग कैसे घायल हुए इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। फिलहाल इस पूरे मामले में पुलिस जांच कर रही है। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि एक पक्ष से मोहम्मद रहीमुल और उसका नाबालिग भाई था। वहीं दूसरे पक्ष से मोहम्मद इमरान और अब्दुल्ला था। चारों आस पास ही रहते हैं। लोगों ने बताया कि सोमवार रात में किसी बात को लेकर रहीमुल के नाबालिग भाई से अब्दुल्ला का झगड़ा हो गया। अब्दुल्ला उसपर सारी कहने का दबाव बना रहा था। इसी बात को लेकर झगड़ा होने लगा और रहीमुल अपने भाई की तरफ से जबकि इमरान अब्दुल्ला की तरह से आ गया। फिर दोनों पक्षों में चाकूबाजी हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्षों के परिवार वालों से पूछताछ कर मामले की छानबीन की जा रही है।

एयरफोर्स अफसर की पत्नी को दिखाया गया बुरी आत्मा का डर, तांत्रिक ने इस तरह किया महिला से किया फ्रॉड

नई दिल्ली। घर में बुरी छाया का डर दिखाकर एक तांत्रिक ने पूजा-पाठ के बहाने वायुसेना अधिकारी की पत्नी से 1.14 लाख रुपये ठग लिए। पैसे मिलने के बाद आरोपी ने महिला का फोन उठाना बंद कर दिया, तो महिला को ठगी का अहसास हुआ। उसने नई दिल्ली के साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, मनीषा जिलोया अपने परिवार के साथ तेजस कैंपस चाणक्यपुरी इलाके में रहती हैं और गृहिणी हैं। उनके पति नवीन जिलोया भारतीय वायुसेना में अधिकारी हैं। मनीषा ने 4 सितंबर को साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि पिछले कुछ महीनों से उन्हें, उनके पति और बच्चों को शारीरिक चोटें लग रही थीं और अन्य घरेलू समस्याएं भी सामने आ रही थीं। एक दिन इंस्टाग्राम ब्राउज करते समय उन्हें अघोरी राजस्थान नाम का एक लिंक मिला। जिसमें वीडियो अपलोड करने वाले व्यक्ति ने खुद को तांत्रिक बताया।

दिल्ली में अस्पताल बनाने में पिछली सरकार ने की थी गड़बड़ी, अब सरकार को 123 करोड़ रुपये का चूना

नई दिल्ली। पिछली आप सरकार के समय निर्माण कार्यों को लेकर हीला-हवाली का असर अब सामने आ रहा है। लोक निर्माण विभाग ने जिन चार अस्पतालों में अतिरिक्त ब्लाक बनाकर तैयार किए हैं। इसमें सरकार को 123 करोड़ की चपत लग गई है। दरअसल इनका बजट 363 करोड़ अनुमानित माना गया था, उस समय सरकार ने दावा किया था कि यह काम इससे भी कम बजट में पूरा किया जाएगा। मगर अत्यधिक देरी के कारण यह खर्च राशि 486 करोड़ पर पहुंच गई है। बहरहाल अब इन चार अस्पतालों के अतिरिक्त ब्लाकों का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा करने की योजना है। इससे दिल्ली के लोगों को 1284 नए अस्पताल बेड उपलब्ध होंगे। ये ब्लाक मोती नगर में आचार्य श्री भिक्षु अस्पताल, रघुबीर नगर में गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल, डाबड़ी का दादा देव मातृ एवं शिशु चिकित्सालय व मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी अस्पताल परिसर में स्थित हैं। दिल्ली की पूर्व सरकार ने 2018 से 2019 तक दिल्ली में 15 से अधिक अस्पतालों में अतिरिक्त ब्लाक बनाए जाने तथा चार नए अस्पताल बनाने का शुभारंभ किया था। ये काम दो से तीन साल में पूरे किए जाने थे। मगर अधिकतर का काम 2020 में आई कोरोना महामारी के समय रुक गया या बहुत धीमा हो गया। बाद में पैसों की कमी के कारण यह काम पूरा नहीं हो सका और ठप हो गया। इन जिन चार ब्लाकों में अधिक काम हो चुका था, वह अब पूरा हो गया है।

दिल्ली के बवाना में इस हालत में मिली शख्स की लाश, इलाके में फैली दहशत

दिल्ली। बाहरी दिल्ली के बवाना थाना क्षेत्र में सोमवार को सड़क किनारे एक 50 वर्षीय शख्स का शव पड़ा मिला। राहगीरों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखवा दिया है। मृतक के पास से कोई शिनाख्ती कागजात नहीं मिले हैं, जिससे की उसकी पहचान हो सके। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक शव मिलने के स्थान के आसपास पुलिस सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। पुलिस यह पता करने की कोशिश कर रही है कि आखिर यह शख्स यहां तक कैसे पहुंचा। वहीं, आसपास के लोगों के अलावा बवाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्ट्रियों में भी पुलिस शख्स के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस को शंका है कि मृतक बवाना के किसी फैक्ट्री में नौकरी करता रहा हो। वहीं, आसपास के थानों से भी पुलिस मृतक के बारे में जानकारी जुटा रही है।

दिल्ली में 10 लाख स्ट्रीट डॉग्स की डिजिटल मॉनिटरिंग के लिए लगेंगी माइक्रोचिप

नई दिल्ली। दिल्ली सचिवालय में वर्षों बाद एनिमल वेलफेयर बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान कई अहम फैसले लिए गए। अगले दो वर्षों में यूएनडीपी के साथ मिलकर दिल्ली के लगभग 10 लाख स्ट्रीट डॉग्स को माइक्रोचिप लगाने का निर्णय लिया गया है। रेबीज की रोकथाम में मिलेगी मदद बैठक सम्पन्न होने के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि रैबीज के खिलाफ दिल्ली स्टेट एक्शन प्लान प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यूएनडीपी के साथ मिलकर दिल्ली के लगभग 10 लाख स्ट्रीट डॉग्स को माइक्रोचिप लगाने की योजना पर सबने सहमति जताई है। माइक्रोचिपिंग के जरिए दिल्ली में रेबीज नियंत्रण और डॉग पॉपुलेशन मैनेजमेंट को मिलेगी मजबूती। मिश्र ने कहा कि हर जिले में बनेगी एनिमल वेलफेयर कमेटी गठित की जाएगी। वहीं, शिक्षा विभाग के साथ जागरूकता अभियान को भी शुरू किया जाएगा। पशु कल्याण के लिए देंगे समुचित फंड वहीं, एक अन्य फैसले के बारे में जानकारी देते हुए कपिल मिश्र ने कहा कि पेट शॉप्स का पंजीकरण कराना अब अनिवार्य कर दिया गया है।

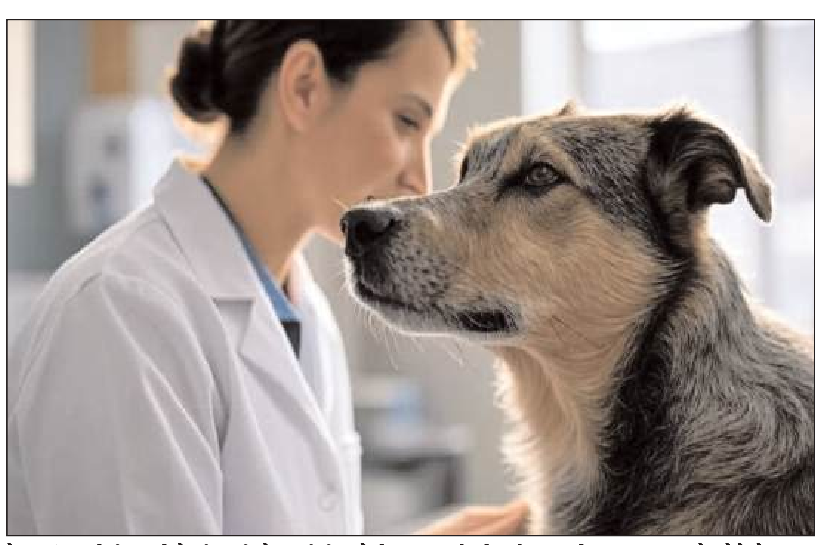

पेट शॉप्स की निगरानी के लिए विशेष समिति बनेगी, जो समय-समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इसके अतिरिक्त एनिमल वेलफेयर की बैठक में आवारा कुत्तों के काटने पर भी चिंता जाहिर की गई। मंत्री ने बताया कि डॉग बाइट की रोकथाम पर व्यापक चर्चा की गई। पशु टीकाकरण पर जोर देने के साथ ही डिजिटल मॉनिटरिंग सिस्टम को भी मजबूत किया जाएगा। एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि पशु कल्याण के लिए समुचित फंड उपलब्ध कराए जाएंगे।

काला जठेड़ी गिरोह के दो सदस्य दबोचे हत्या की साजिश हुई नाकाम

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली के नरेला में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट को लेकर हुए विवाद के बाद एक व्यक्ति की हत्या करने जा रहे काला जठेड़ी गिरोह के दो सदस्यों को बाहरी-उत्तरी जिला स्पेशल स्टाफ की टीम ने वारदात से पहले ही दबोच लिया। आरोपितों से एक अत्याधुनिक पिस्टल, एक देशी पिस्टल समेत चार कारतूस बरामद किए गए हैं। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि पांच सितंबर को स्पेशल स्टाफ टीम को जानकारी मिली कि स्थानीय बदमाश कुख्यात काला जठेड़ी गिरोह के सदस्यों के साथ मिलकर नरेला निवासी एक शख्स को पानी के प्लांट के स्वामित्व विवाद में हत्या करने वाले हैं। वहीं, गुप्त सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर आनंद कुमार झा के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई। पांच सितंबर की रात टीम ने निगरानी शुरू की और दिल्ली के सबोली बार्डर के पास एक मोटरसाइकिल को रोका। बाइक सवार की पहचान अक्षत खत्री उर्फ अक्षु के रूप में हुई। जिसके पास से एक कारतूस बरामद किया गया। पीछे बैठे व्यक्ति की पहचान साहिल खत्री के रूप में हुई, जिसके पास से एक पिस्टल और एक कारतूस बरामद किया गया। दोनों को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। छह नवंबर को आर्म्स एक्ट के तहत नरेला थाने में मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया।

राजधानी एक्सप्रेस में गुवाहाटी से दिल्ली लाया जा रहा था गांजा, नई दिल्ली स्टेशन पर तीन तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पुलिस ने आरपीएफ के साथ मिलकर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या-15 और एक अन्य स्थान से तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से करीब 56 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है। बरामद गांजा गुवाहाटी से डिब्रूगढ़ राजधानी ट्रेन से दिल्ली लाया गया था। गिरफ्तार आरोपी पूर्वोत्तर राज्य के एक कुख्यात ड्रग माफिया के लिए वाहक के रूप में काम कर रहे थे। उसके निर्देश पर वे दिल्ली के एक तस्कर को गांजा सप्लाई करने आए थे। बरामद गांजा

दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई किया जाना था। पुलिस इनसे पूछताछ कर इस गिरोह की पूरी चेन का पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने बरामद गांजे की कीमत 24 लाख रुपये बताई है। डीसीपी, रेलवे, केपीएस मल्होत्रा के अनुसार, गिरफ्तार तस्करों के नाम मनीष कुमार (झुंझुनू, राजस्थान) और अफसर आलम व जावेद अख्तर (दोनों पूर्वी चंपारण,

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पुलिस ने आर पी एफ के साथ मिलकर तीन ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है उनके पास से करीब 56 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ है जिसकी कीमत 24 लाख रुपये बताई जा रही है

बिहार) हैं। 8 सितंबर को एक गुप्त सूचना के आधार पर, जीआरपी टीम ने आरपीएफ के साथ मिलकर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 15 से एक तस्कर को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान मनीष कुमार के रूप में हुई, जो उदय पुरवाटी, झुंझुनू, राजस्थान का निवासी है। उसके पास से 50.3 94 किलोग्राम गांजा बरा मद हुआ। उससे पूछताछ के आधार पर, एक अन्य टीम ने 8 सितंबर को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास से दो और आरोपियों अफसर आलम और जावेद अख्तर को गिरफ्तार किया। दोनों पूर्वी चंपारण, बिहार के निवासी हैं। उनके पास से 5.370 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ।

तीसरी बार घटनास्थल पर पहुंची सीबीआई, खाद बीज विक्रेता से पूछे ये सवाल

भिवानीः मनीषा मौत मामले की तहकीकात में जुटी सीबीआई की टीम मंगलवार को तीसरी बार सिंघानी घटनास्थल पर पहुंची। इससे पहले सीबीआई अधिकारियों ने गांव सिंघानी के खाद बीज विक्रेता के प्रतिष्ठान पर पहुंचकर पूछताछ की। सीबीआई अधिकारियों ने खाद बीज विक्रेता से पूछा कि उसके यहां से मनीषा कब कौन सा कीटनाशक कितनी मात्रा में लेकर गई थी। हालांकि खाद बीज विक्रेता देवेंद्र के भिवानी पुलिस भी बयान दर्ज कर चुकी थी और उसके यहां के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी कब्जे में ली जा चुकी थी। खाद बीज विक्रेता देवेंद्र ने सीबीआई को अपनी दुकान का रिकॉर्ड भी दिखाया, जिसमें मनीषा के हस्ताक्षर भी किए गए थे। इसके अलावा उसने मनीषा किस समय दुकान पर आई थी और कौन सा कीटनाशक कितनी मात्रा में लेकर गई थी। जिस समय मनीषा कीटनाशक लेकर गई थी उस समय उसके क्या हावभाव दिखाई दे रहे थे। इस संबंध में भी सवाल किए गए।

सीबीआई के इन सब सवालों का देवेंद्र ने सामना किया। भिवानी एसआईटी की जांच में मनीषा के गायब होने के दिन यानी 11 अगस्त को ही खाद बीज की दुकान से मनीषा द्वारा एक लीटर कीटनाशक खरीद किए जाने की बात सामने आई थी, जिसकी पुष्टि भी खाद बीज विक्रेता देवेंद्र ने अपने बयान में दर्ज करवाई थी। सीबीआई की टीम दिल्ली से भिवानी के रेस्ट हाउस में तीन सितंबर को आई थी। उसके बाद से ही सीबीआई की सक्रियता मनीषा मौत की जांच में लगातार बढ़ गई है। अब तक दो बार गवाहों व परिजनों से सीबीआई मिलकर पूछताछ कर चुकी है। जबकी मनीषा की मौत से जुड़े सभी गवाहों और चश्मदीदों को भी सीबीआई ने आगाह कर इस बात के लिए अलर्ट किया हुआ है कि उन्हें कभी भी पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है या सीबीआई खुद उनके पास आ सकती है। जिसके बाद से ही इस मामले से जुड़े सभी लोगों की गतिविधियां भी आसपास के इलाके में ही बनी हैं, वे बाहर भी नहीं जा रहे हैं।

गजब का नजारा: दिल्ली-जयपुर हाईवे पर दिखीं मछलियां ही मछलियां, लोगों में लूटने की लगी होड़

रेवाड़ी : बुधवार सुबह दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर उस समय अफरातफरी मच गई, जब दिल्ली से नीमराना की ओर जा रही मछलियों से भरी एक पिकअप अचानक पलट गई। हादसे में गाड़ी से भरी मछलियां हाईवे पर बिखर गईं और तड़प-तड़प कर मरने लगीं। हाईवे पर लगा लंबा जाम

हादसे के कारण हाईवे पर लंबा जाम लग गया और यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्राथमिक जानकारी के अनुसार पिकअप चालक दिल्ली से मछलियों को नीमराना सप्लाई के लिए ले जा रहा था। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार के कारण चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया और साबन कट के पास पिकअप पलट गई।चालक मौके से फरार

हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और हाईवे से मरी मछलियों को हटवाकर सड़क को साफ कराया। इसके बाद ही यातायात सामान्य हो पाया।

शहीद नरेंद्र सिंधू का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार, तिरंगा लेकर चली भारी भीड़, सरकार देगी 1 करोड़ रुपए

कैथल : जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान शहीद हुए कैथल जिले के गांव रोहेड़ा निवासी नरेंद्र सिंधू को बुधवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। पार्थिव शरीर जब गांव पहुंचा तो माहौल गमगीन हो गया। हर गली और चौपाल में भीड़ उमड़ आई। हजारों लोग भारत माता की जय और नरेंद्र सिंधू अमर रहें के नारों के साथ अपने वीर सपूत को सलाम करते नजर आए। शहीद जवान के अंतिम संस्कार स्थल पर पहुंचे कैथल एसडीएम अजय कुमार ने बताया कि हरियाणा सरकार ने शहीद परिवार की सहायता के लिए एक करोड़ रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। इसके साथ ही परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी और गांव के सरकारी स्कूल का नाम बदलकर शहीद नरेंद्र सिंधू के नाम पर रखा जाएगा। अधिकारियों और नेताओं ने परिवार को ढांढस बंधाया और भरोसा दिलाया कि हर संभव मदद की जाएगी। सेना और पुलिस के जवानों ने नरेंद्र सिंधू को गार्ड ऑफ ऑनर देकर श्रद्धांजलि दी। तिरंगे में लिपटे पार्थिव शरीर को देख हर किसी की आंखें नम हो गईं। अंत्येष्टि के समय हजारों लोगों ने नम आंखों से शहीद को अंतिम विदाई दी। पूरा गांव शोक में डूबा रहा, लेकिन गर्व की भावना भी हर चेहरे पर झलक रही थी। जवान की अंतिम यात्रा में गांव रोहेड़ा ही नहीं बल्कि आसपास के गांवों और शहरों से भी लोग भारी संख्या में शामिल हुए। महिलाओं, बच्चों और युवाओं ने पुष्प अर्पित कर शहीद को नमन किया। सामाजिक संगठनों ने भी परिवार को सांत्वना दी। नेताओं और अधिकारियों ने कहा कि नरेंद्र सिंधू का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और उनका नाम हमेशा अमर रहेगा।

बाढ़ संकट में पंजाब के साथ खड़ा हरियाणा, कुरुक्षेत्र से सीएम सैनी ने 21 ट्रकों में राहत सामग्री की रवाना

हरियाणा : पंजाब में भीषण बाढ़ से हुई त्रासदी पर हरियाणा लगातार नजर बनाए हुए है। ऐसे में बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए हर संभव मदद और राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। इसी कड़ी में आज कुरुक्षेत्र से सीएम नायब सिंह सैनी ने पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए राहत सामग्री से भरे 20 ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर पूर्व राज्य मंत्री सुभाष सुधा मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार, इन ट्रकों में विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री, पशुओं के लिए चारा, दवाइयां और अन्य जरूरी सामान भरा गया है। बता दें कि शहर की सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं, भाजपा संगठन और जिला प्रशासन के सहयोग से ये राहत सामग्री एकत्रित की गई है। अब इस सामग्री को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचाया जाएगा, ताकि संकट के समय लोगों को राहत मिल सके।इस मौके पर सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में जो प्राकृतिक आपदा आई है। उससे बहुत लोग प्रभावित हुए हैं। उन्होंन कहा हरियाणा के लोगों ने पंजाब की बाढ़ आपदा में लगातार राहत सामग्री पहुंचाने का काम किया है। भाजपा के सभी कार्यकताओं, सामाजिक संस्थाएं मिलकर पंजाब के लोगों की मदद करने के लिए निरंतर राहत सामग्री पहुंचाने का काम कर रही है। सीएम सैनी ने कहा कि बुधवार को कुरुक्षेत्र से राहत सामग्री लेकर 21 ट्रक पंजाब भेजे गए हैं। हमने हरियाणा की तरफ से बाढ़ पीड़ितों की राहत के लिए पंजाब को 5 करोड़ रुपये, जम्मू-कश्मीर को 5 करोड़ रुपये और हिमाचल प्रदेश को 5 करोड़ रुपये तुरंत सहायता के रूप में भेजने का काम किया है। वहीं मौके पर मौजूद पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि हरियाणा की नायब सैनी सरकार संकट की इस घड़ी में पंजाब के लोगों के साथ खड़ी है। उन्हें हर संभव मदद हरियाणा सरकार और हरियाणा के लोग भेज रहे हैं। हरियाणा सरकार ने पंजाब की मदद के लिए 5 करोड़ रुपए की सहायता भी की है और जरूरत पड़ने पर हम पीछे नहीं हटेंगे।

करनाल में फूड इंस्पेक्टर गिरफ्तार, 68 लाख के गेहूं में किया था बड़ा खेल

करनाल : करनाल जिले के कुंजपुरा अनाज केंद्र से 68 लाख रुपये के गेहूं गबन के मामले में खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के निरीक्षक अशोक शर्मा को पुलिस ने शाहबाद से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ 6 सितंबर को केस दर्ज हुआ था और तब से वह फरार चल रहा था। पुलिस का कहना है कि आरोपी को बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

जांच में खुलासा हुआ कि अप्रैल और मई 2025 में खरीदे गए गेहूं के बैगों में जानबूझकर वजन में गड़बड़ी की गई। जहां 50 किलो के बैग होने चाहिए थे, वहां 20-25 किलो गेहूं भरकर स्टॉक दिखाया गया। बाकी गेहूं बाजार में बेच दिया गया। विभाग की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि 10 जून तक करीब 2,427 क्विंटल गेहूं, जिसकी कीमत 68 लाख 61 हजार रुपये थी, बाजार में बेचा जा चुका था। मामला तब खुला जब बैगों का वजन कम होने की शिकायत विभाग तक पहुंची।

करीब 4902 बैग कम निकले

डीएफएससी अनिल कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री उड़नदस्ते की टीम ने मौके पर पहुंचकर गड़बड़ी पकड़ी थी। जांच में पाया गया कि बैगों में 10 से 15 किलो तक वजन कम था और करीब 4,902 बैग कम निकले। मुख्यालय से गठित जांच कमेटी ने 12 अगस्त से जांच शुरू की और पांच सितंबर को रिपोर्ट सौंपी। बैगों पर किया जाता था पानी का छिड़काव इस रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि खुले में रखे कई बैग आधे भरे हुए और फटे मिले, जिनसे गेहूं निकालकर बेच दिया गया था। जांच में यह भी सामने आया कि बैगों का वजन सही दिखाने के लिए गेहूं पर पानी का छिड़काव किया जाता था ताकि चोरी का पता न चले। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

ज्योति मल्होत्रा की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई पेशी, 16 सितंबर को होगी अगली सुनवाई

हिसार : जासूसी के मामले में गिरफ्तार ज्योति मल्होत्रा आज हिसार कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी हुई। ज्योति के वकील कुमार मुकेश चालान कॉपी की डिमांड कर रहे हैं। मगर अब तक उनको चार्जशीट की कॉपी नहीं मिली है। 14 अगस्त को हिसार पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट जमा करवाई थी। अब इस मामले में 16 सितंबर को अगली पेशी होगी। बता दें इस केस की सुनवाई करने वाले जज के छुट्टी पर जाने के कारण ज्योति की वीसी के जरिए कोर्ट में पेशी हुई। ज्योति के वकील कुमार मुकेश ने बताया कि ड्यूटी मजिस्ट्रेट के सामने आज ज्योति की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी हुई। अगली पेशी पर ज्योति कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होगी। इस दौरान चालान कॉपी की डिमांड की जाएगी। बता दें कि ज्योति मल्होत्रा को पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोपों में 16 मई को हिसार से गिरफ्तार किया गया था।

करनाल में पुलिसकर्मी ने महिला से किया रेप, पीड़िता बोली- शादी का झांसा देकर बनाए संबंध

करनाल: करनाल में एक पुलिस कर्मी पर महिला ने शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाया है। इस मामले में महिला की शिकायत के आधार पर घरौंडा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवक से फेसबुक पर हुई थी दोस्ती जानकारी के अनुसार महिला ने अपनी शिकायत में कहा कि करीब तीन महीने पहले पानीपत के युवक विरेंद्र से फेसबुक पर दोस्ती हुई थी। विरेंद्र ने खुद को पुलिस विभाग का हवलदार बताया और उसकी ड्यूटी कैथल रोड पर थाना में है। धीरे-धीरे बात बढ़ने नजदीकियां बढ़ी। पीड़िता ने बताया कि वह विरेंद्र के साथ 2-3 बार होटल में भी मिली, जहां उसने शादी का झांसा देकर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी ने शादी से किया इनकार : पीड़िताशिकायत में महिला ने कहा कि जब उसके घरवालों को इसके रिश्ते के बारे में पति चला तो उसके पति और परिजनों ने उसके साथ मारपीट की और घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद महिला आरोपी के पास गई और शादी की बात की, तो उसने इनकार कर दिया। महिला ने कहा कि अब उसके पास कोई सहारा नहीं है और वह मानसिक रूप से काफी परेशान है। इस मामले को लेकर पीड़िता ने पुलिस को शिकायत दी है और शिकायत में उसने स्पष्ट किया है कि यदि भविष्य में उसके साथ कोई अनहोनी घटना होती है, तो उसका जिम्मेदार आरोपी होगा। आरोपी के खिलाफ केस दर्जः थाना प्रभारी इस मामले को लेकर घरौंडा थाना प्रभारी दीपक कुमार ने कहा कि महिला की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर दिया है। उन्होंने कहा कि महिला ने आरोपी को पुलिस विभाग के होने की बात कही है, जिसकी जांच की जा रही है।

जींद के 12 गांवों के किसानों का क्टळ के खिलाफ आक्रोश, बोले- हमारी जमीन नहीं देंगे

जींद : हरियाणा के जींद जिले में प्रस्तावित इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप (IMT) के लिए 12 गांवों के किसानों ने जाट धर्मशाला में एकत्रित होकर अपनी जमीन सरकार को देने से साफ इनकार कर दिया। किसानों ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी सहमति के बिना उनकी जमीनों का पंजीकरण किया जा रहा है। किसानों ने एक समाचार पत्र की खबर का हवाला दिया, जिसमें दावा किया गया कि हरियाणा सरकार को क्टळ के लिए 35,500 एकड़ जमीन की आवश्यकता है, जिसमें से 30,000 एकड़ का पंजीकरण कथित तौर पर किसानों की सहमति से हो चुका है। हालांकि, जींद के किसानों ने स्पष्ट किया कि उनकी सहमति नहीं ली गई, न ही उनके फोन पर कोई डळढ प्राप्त हुआ और न ही उनसे इस विषय में कोई चर्चा की गई। किसानों का कहना है कि उनकी जमीन छीनकर उनका रोजगार खत्म किया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि सरकार द्वारा भविष्य में रोजगार देने की गारंटी क्या है, क्योंकि जिन क्षेत्रों में पहले जमीन ली गई, वहां के युवाओं को रोजगार नहीं मिला। किसानों ने बैठक में फैसला लिया कि वे 22 सितंबर को जींद के जिला उपायुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपेंगे। इस ज्ञापन के जरिए वे अपनी मांगों को मजबूती से रखेंगे। IMT के लिए जींद के 12 गांवों की जमीन लेने की योजना है, जिनमें अमरावली खेड़ा, अलेवा, ढाठरथ, ढिल्लूवाला, जामनी, हसनपुर, खरक गादियां, खांडा, मांडी खुर्द, नगूरां, मोहम्मद खेड़ा और गोहियां शामिल हैं। किसानों ने एकजुट होकर सरकार को चेतावनी दी है कि वे अपनी जमीन और आजीविका की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएंगे।

यूक्रेन में फंसे हरियाणा के 2 युवक, महिला ने नौकरी का लालच दे रशियन आर्मी में भर्ती करवाए

फतेहाबाद : हरियाणा के फतेहाबाद जिले के गांव कुम्हारिया के 2 युवक यूक्रेन में मुश्किल हालात में फंस गए हैं। दोनों युवकों को रशियन आर्मी में नौकरी देने का लालच देकर वहां ले जाया गया। अब युवकों ने अपने परिवार से वॉट्सऐप कॉल पर मदद की गुहार लगाई है। उन्होंने बताया कि उन्हें जल्द ही युद्ध के मोर्चे पर भेजा जा सकता है। इस सूचना के बाद से परिवारों में दहशत का माहौल है और परिजन डीसी से लेकर मुख्यमंत्री तक बेटों की सुरक्षित वापसी की अपील कर रहे हैं।जानकारी के अनुसार गांव कुम्हारिया के अंकित जांगड़ा (23) और विजय पूनियां (25) स्टडी वीजा पर रूस गए थे। अंकित फरवरी 2025 में मॉस्को के एक कॉलेज में भाषा कोर्स के लिए गया था, जबकि विजय इससे पहले भी रूस जा चुका था और डेढ़ माह पहले दोबारा वहां पहुंचा था। दोनों वहीं पर एक महिला के संपर्क में आए, जिसने उन्हें रशियन

आर्मी में भर्ती कराने का झांसा दिया। वादा किया गया कि 15 दिन की ट्रेनिंग के बाद 20 लाख रुपये और हर महीने लाखों की सैलरी मिलेगी। परिवार को बोले- वे मर चुके हैं परिवार ने बताया कि युवकों को 3-3 बैच में बांटा गया, जिनमें अंकित और विजय पहले बैच का हिस्सा हैं। बताया जा रहा है कि इस बैच के कुछ युवकों की मौत भी हो चुकी है। यहां तक कि जब परिवार ने उस महिला से संपर्क करने की कोशिश की, तो उसने ठंडे लहजे में कहा कि वे मर चुके हैं।

इसके बाद उनका नंबर ब्लॉक कर दिया।नेताओं से लगाई मदद की गुहार अंकित के भाई रघुवीर जांगड़ा ने बताया कि दोनों को यूक्रेन में रूस सीमा से करीब 300 किलोमीटर दूर सोलीडेव इलाके के जंगल में रखा गया है। वहां से उन्हें युद्ध के लिए आगे भेजने की तैयारी है।

इस घटना के बाद परिजन ग्रामीणों के साथ डीसी विवेक भारती से मिले। वहीं सांसदों व नेताओं से मदद की गुहार लगाई है। परिवार का कहना है कि अगर जल्द कदम नहीं उठाए गए तो बेटों की जान खतरे में पड़ सकती है।

बाढ़ के बाद इन गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे लोग, रहें सतर्क...बरते ये सावधानियां

अंबाल : पहाड़ो मे लगातार बरसात के बाद टांगरी नदी के कारण अंबाला छावनी के विभिन्न क्षेत्रों में कुछ दिनों पहले जलभराव हो गया था। अब पानी उतरने के बाद लोगों को चर्म रोग की समस्या आ रही है। इसके इलाज के लिए अंबाला छावनी सिविल अस्पताल में मरीज उपचार के लिए पहुंचे। लोगों का कहना था कि इस क्षेत्र में बरसात के बाद महेश नगर क्षेत्र की कुछ गलियों में पानी भर गया था। इसके बाद अब पानी तो उतर गया है लेकिन लोग सिविल अस्पताल में चर्म रोग की विभिन्न बीमारियों को लेकर आ रहे है ।चर्म रोग विशेषज्ञ डा. प्रमोद का कहना है कि लोगों को चाहिए कि बीमारियों को लेकर सावधानी बरतें। उन्होंने कहा कि खाना खाने से पहले हाथ अवश्य धोयें। उन्होंने कहा कि लोगों को चाहिए कि वह सफाई का ध्यान अवश्य रखें ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। डॉक्टर्स का कहना है कि पानी के साथ कई तरह की चीजें बहकर आ रही हैं, जो लोग बाढ़ के पानी के संपर्क में हैं, उन्हें त्वचा व आंखों का संक्रमण हो रहा है। हाथ, पैरों के साथ शरीर के कई हिस्सों में खुजली हो रही है। खुजाने से घाव भी पड़ रहे हैं। वहीं अस्पताल मे इलाज के लिए आये लोगों का कहना है कि बरसात के बाद चर्म रोग की अनेक समस्याएं उनके सामने आ रही है ! उन्होंने बताया कि वह सुबह से ही अस्पताल में इलाज के लिए आए हुए है यहां निशुल्क इलाज किया जा रहा है और निशुल्क दवाइयां भी दी जा रही है।

'अपने सांसदों को वोट डालने की ट्रेनिंग नहीं देती कांग्रेस', उपराष्ट्रपति चुनाव में क्रॉस वोटिंग मुद्दे पर बड़ौली का बयान

रोहतक : उपराष्ट्रपति चुनाव में क्रॉस वोटिंग को लेकर राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस पार्टी द्वारा भाजपा पर आरोप लगाने पर हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने सांसदों को वोट डालने की ट्रेनिंग नहीं देती और बाद में क्रॉस वोटिंग का आरोप भाजपा पर लगाती है। जबकि भाजपा हमेशा चुनाव से पहले अपने सांसदों को प्रशिक्षण देती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी चुनाव से पहले प्रशिक्षण लिया था।मोहनलाल बडोली रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के लॉ डिपार्टमेंट में आयोजित वन नेशन, वन इलेक्शन सेमिनार में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने बाढ़ राहत को लेकर कांग्रेस की आलोचना पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को आरोप लगाने से पहले यह देखना

चाहिए कि जहां उनकी सरकारें हैं, वहां आपदा के दौरान जनता को कितनी मदद दी जाती है। हरियाणा सरकार ने न केवल अपने राज्य में बल्कि अन्य बाढ़ प्रभावित राज्यों की भी सहायता की है। साथ ही भाजपा कार्यकर्ता जरूरतमंदों की सेवा में हमेशा आगे रहते हैं। वहीं, कांग्रेस संगठन पर निशाना साधते हुए बडोली ने कहा कि उसका ढांचा भाई-भतीजावाद पर आधारित है, जबकि भाजपा में कार्यकताओं को महत्व देकर आगे बढ़ाया जाता है। इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला के मुख्यमंत्री सैनी पर किए गए कटाक्ष पर भी बडोली ने तीखा वार किया। उन्होंने कहा कि अभय सिंह चौटाला को खुद नहीं पता कि वह क्या कह रहे हैं। इसी वजह से प्रदेश की जनता ने उन्हें चुनावों में नकार दिया था।

हरियाणा के 75 सरकारी स्कूलों का नाम होगा चेंज

हरियाणा देश के लिए जान कुर्बान करने वाले वीर सैनिकों को सम्मानित करने के लिए हरियाणा सरकार ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। दरअसल शिक्षा विभाग राज्य के 75 स्कूलों का नाम इन बहादुर सैनिकों के नाम पर रखेगा। बता दें राज्य में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक हरियाणा में राज्य-स्तरीय 'सेवा पखवाड़ा' मनाया जाएगा। इस दो हफ्ते के कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सेवा भाव को बढ़ावा देना और विकास योजनाओं को जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना है। नए नामांकन वाले ये स्कूल वर्तमान में केवल अपने गांव के नाम से जाने जाते हैं। पहले से शहीदों के नाम पर नामांकित स्कूल इस पहल में शामिल नहीं होंगे। जिन स्कूलों के नाम बदले जाने हैं, उनकी सूची जिला सैनिक कल्याण बोर्ड शिक्षा विभाग के परामर्श से तैयार कर सरकार को दस दिनों के भीतर भेजी जाएगी। यह काम सेवा पखवाड़ा शुरू होने से पहले पूरा होना

आवश्यक है। शनिवार को मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने इस अभियान की तैयारियों की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस अभियान के तहत पूरे राज्य में प्रतिदिन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे, जबकि सभी जिलों में मंत्री इन कार्यक्रमों के अध्यक्ष रहेंगे। पूर्व सैनिकों के सहयोग से राज्यव्यापी प्लास्टिक-मुक्त और व्यापक स्वच्छता अभियान भी शुरू किया जाएगा। यह ध्यान देने योग्य है कि सेवा पखवाड़ा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन (17 सितंबर) से शुरू होकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिन (2 अक्टूबर) तक चलेगा। शिक्षा विभाग स्कूलों और कॉलेजों में निबंध लेखन, वाद-विवाद, चित्रकला, रंगोली, और नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताओं का आयोजन करेगा।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा टी20 विश्व कप 2026 का फाइनल, पाकिस्तान कर सकता है खेल खराब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में 2026 का पुरुष टी20 विश्व कप 7 फरवरी से 8 मार्च के बीच खेला जाएगा। भारत अपना खिताब बरकरार रखने की कोशिश करेगा जिसने पिछली बार 2024 में बारबाडोस में हुए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर यह खिताब जीता था। इस टूर्नामेंट में 20 टीमें भाग लेंगी और 55 मैच खेले जाएंगे। मैच भारत में 5 और श्रीलंका में दो स्थानों पर खेले जाएंगे तथा फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। हालांकि पाकिस्तान फाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाता है, तो यह मैच कोलंबो में होगा।

BCCI टी20 विश्व कप 2026 की मेजबानी करेगा। हालांकि इस साल की शुरुआत में BCCI और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के बीच एक समझौता हुआ था कि वे दोनों सरकारों के बीच लंबे समय से चल रहे भू-राजनीतिक तनाव के कारण एक-दूसरे के देशों में नहीं खेलेंगे जिसके बाद श्रीलंका को पाकिस्तान के सभी मैचों के आयोजन के लिए सह-मेजबान चुना गया।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ICC ने अभी तक कार्यक्रम तय नहीं किया है, लेकिन टूर्नामेंट के लिए समय निश्चित रूप से तय कर लिया गया है और सभी भाग लेने वाले देशों को इसकी जानकारी दे दी गई है। फिलहाल अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए केवल 15 टीमें ही क्वालीफाई कर पाई हैं, जिनमें भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा, नीदरलैंड और पहली बार इटली भी शामिल हैं। शेष पांच स्थानों में से दो अफ्रीका क्षेत्रीय क्वालीफायर से और तीन एशिया और पूर्वी एशिया प्रशांत क्वालीफायर से निकलेंगे।

एशिया कप में उमरजई की तूफानी पारी ने अफगानिस्तान को दिलाई जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राशिद खान की अगुवाई वाली अफगानिस्तान टीम ने एशिया कप 2025 का आगाज धमाकेदार जीत से किया। हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ हुए पहले मुकाबले में टीम ने 94 रनों से बड़ी जीत हासिल की। यह अफगानिस्तान की एशिया कप में सबसे बड़ी और टूर्नामेंट की रनों के मामले में तीसरी सबसे बड़ी जीत है। अफगानिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए अजमतुल्लाह उमरजई के तूफानी पारी के दम पर 20 ओवर में 188 रन बनाए, इसके जवाब में हॉन्ग कॉन्ग की टीम 9 विकेट के नुकसान पर 94 रन ही बना सकी। राशिद खान ने जीत का क्रेडिट उमजई को दिया और मैच के बाद बताया कि क्यों मुजीब उर रहमान जैसे गेंदबाज को उन्होंने प्लेइंग इलेवन से बाहर रखा।

राशिद ने मैच के बाद कहा कि टीम ने शानदार खेला। शुरुआत में विकेट लेना हमारे लिए अहम था। पिछली सीरीज में भी यही समस्या थी। यही एक क्षेत्र है जिसमें हमें सुधार करना है। डेथ ओवरों में बल्लेबाजी शानदार रही। खासकर उमरजई। हमारे पास अच्छे स्पिनर हैं। इससे विपक्षी टीम पर दबाव बनता है। जब आप रन बनाते हैं, तो बल्लेबाज जोखिम उठाते हैं और हमारे पास विकेट लेने का मौका होता है। हम लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छा रिकॉर्ड बनाने की कोशिश करेंगे।

प्लेइंग इलेवन क्या होगी, यह देखना मुश्किल था। मुजीब को बाहर रखना एक मुश्किल फैसला था। आप कभी-कभी कॉम्बिनेशन की तलाश में रहते हैं। अच्छी बात यह है कि मेरे पास विकल्प है और इससे मेरे लिए काम आसान हो जाता है। अफगानिस्तान का इस जीत से नेट रन रेट +4.700 का हो गया है, जो उन्हें अगले राउंड में पहुंचाने में मदद करेगा। उनका अगला मैच 16 सितंबर को बांग्लादेश से होगा।

एसए20 नीलामी: ब्रेविस 8.3 करोड़ में बिके, आईपीएल से कई गुना ज्यादा लगी बोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस अब बेबी एबी नहीं रहे। वे अंतरराष्ट्रीय और फ्रैंचाइजी क्रिकेट में अपना नाम रोशन कर रहे हैं। एबी का जलवा अब भी बरकरार है, लेकिन अब ब्रेविस को यकीन है जिसने उन्हें क्षमता का एहसास कराया, वे भी उनकी तरह जलवा बिखेर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर ब्रेविस पर मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका टी20 की नीलामी में रिकॉर्ड तोड़ बोली लगी। ब्रेविस के लिए प्रिटोरिया कैपिटल्स में सौरव गांगुली और जोसबर्ग सुपर किंग्स में स्टीफन फ्लेमिंग जैसे चिर परिचित प्रतिद्वंदी नीलामी के मैदान में थे। आखिर में सुपर किंग्स को अपने इस अद्भुत खिलाड़ी को छोड़ना पड़ा क्योंकि ब्रेविस को 15.1 मिलियन रैंड यानी 8.3 करोड़ रुपए में खरीदा गया। जो आईपीएल 2025 में उनके रिप्लेसमेंट खिलाड़ी के रूप में उनकी कीमत से करीब चार गुना ज्यादा है। एसए20 नीलामी में बड़ी खरीदारी में दूसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के टी20 कप्तान हैं। सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ दो बार दक्षिण अफ्रीका 20 लीग जीतने वाले मार्करम की सेवाएं डरबन सुपर जायंट्स ने 14 मिलियन रैंड यानी 7.04 करोड़ रुपए में हासिल कीं। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट तिहरे शतकवीर वियान मुल्डर को सुपर किंग्स ने 9 मिलियन रैंड यानी 4.53 करोड़ रुपए में खरीदा। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर गेराल्ड कोएत्जी सुपर जायंट्स के लिए 7.4 मिलियन रैंड यानी 3.72 करोड़ रुपए में खेलेंगे. बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नंद्रे बर्गर को सुपर किंग्स ने 6.3 मिलियन रैंड यानी 3.17 करोड़ रुपए में खरीदने से पहले बोली लगाने की एक छोटी सी होड़ शुरू कर दी। विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्जके जिन्होंने हाल ही में वनडे रिकॉर्ड तोड़े हैं उन्हें सनराइजर्स ने 6.1 मिलियन रैंड यानी 3.07 करोड़ रुपए में खरीदा। अनुभवी बल्लेबाज रस्सी वैन डेर डूसन को मुंबई इंडियंस केप टाउन ने 5.2 मिलियन रैंड यानी 2.62 करोड़ में खरीदा। तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन 5.1 मिलियन रैंड यानी 2.57 करोड़ में पार्ल रॉयल्स के लिए खेलेंगे। जबकि एनरिक नोर्टजे को सनराइजर्स के लिए खेलने के लिए 5 मिलियन रैंड यानी 2.51 करोड़ रुपए मिले हैं।

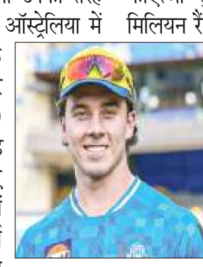

दाएं और बाएं बल्लेबाजों के संयोजन में फंसे अय्यर इसलिए हुए टीम से बाहर

–पूर्व लेग स्पिनर अमित ने कहा– आने वाले समय में वह फिर करेंगे वापसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर को भारत की एशिया कप टीम से बाहर करने का फैसला मध्य क्रम में दाएं और बाएं बल्लेबाजों का संयोजन बनाए रखने की रणनीतिक चाल के कारण हुआ। यह कहना है पूर्व लेग स्पिनर अमित मिश्रा का। 2024 के लिए बीसीसीआई की केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर होने के बाद से श्रेयस ने मैदान पर शानदार प्रदर्शन किया है। अपनी शानदार फॉर्म के दम पर उन्होंने पंजाब किंग्स को आईपीएल 2025 के फाइनल में पहुंचाया, जो पिछले एक दशक में फ्रैंचाइजी का पहला फाइनल था।

इस शानदार लीग में 50 से ज्यादा की औसत से 604 रन बनाने के बाद श्रेयस ने 15 सदस्यीय टीम में जगह बनाने के लिए खुद को एक मजबूत दावेदार बना लिया था। उन्हें भारतीय टीम से और यहां तक कि यात्रा करने वाले रिजर्व खिलाड़ियों में भी नहीं रखा गया, जिससे प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों में नाराजगी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने प्रबंधन के चयन पर सवाल उठाए हैं, वहीं अमित मिश्रा ने एक ऐसी रणनीतिक रूपरेखा की पहचान की जिसने अय्यर को टीम में शामिल करने के खिलाफ काम किया।

मिश्रा के मुताबिक अय्यर तीसरे या चौथे नंबर पर खेलते हैं इसलिए बाएं-दाएं संयोजन बनाए रखने की चाहत अय्यर के खिलाफ गई। मिश्रा ने कहा कि श्रेयस तीसरे या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, टीम प्रबंधन ने सोचा होगा कि बाएं और दाएं हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बेहतर होता। एशिया कप एक लंबा टूर्नामेंट है। मुझे लगता है कि श्रेयस बाएं-दाएं हाथ के बल्लेबाजों के संयोजन में फंस गए। इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी अमित मिश्रा भविष्य में अय्यर की वापसी को लेकर 100 फीसदी आश्वस्त हैं। मिश्रा का मानना ??है कि ऐसी कई सीरीज हैं जहां अय्यर अपनी क्षमता साबित कर सकते हैं और टीम में अपनी जगह वापस पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में कई सीरीज हैं। उनके पास काफी समय है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि वह अपनी खराब फॉर्म की वजह से टीम से बाहर हैं। नए खिलाड़ियों को मौके चाहिए। मुझे लगता है कि वह भविष्य में वापसी करेंगे और टीम में अपनी जगह पक्की कर लेंगे।

कमिंस, स्टार्क और मेरा अभी संन्यास का इरादा नहीं : हेजलवुड

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने कहा है कि अभी उनका ,पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क का करियर काफी समय तक चलेगा और कोई भी संन्यास के बारे में विचार नहीं कर रहा। इसलिए ये कहना कि एशेज सीरीज में उनकी, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की तिकड़ी अंतिम बार उतरेगी कहना सही नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हम तीनों में ही अभी काफी क्रिकेट बची हुई है और वह कम से कम दो साल और खेलेंगे। अभी हम तीनों की उम्र 35 साल के आसपास है। कमिंस ने कमर में खिंचाव है। वहीं स्टार्क ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। जिसके कारण माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी इतिहास के एक युग का अंत निकट है। हेजलवुड स्वयं चोटों से जूझ रहे हैं पर उन्होंने स्पष्ट किया कि तीनों गेंदबाजों में से कोई भी अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहा है। हेजलवुड के हवाले से कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम अभी कुछ कहने की स्थिति में हैं। हर कोई टेस्ट क्रिकेट को पसंद करता है और अगले दो वर्ष में काफी टेस्ट मैच खेले जाने हैं जिसमें हम अपनी भूमिका निभाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का एक और चक्र होना बाकी है। इसलिए केवल एशेज ही नहीं टेस्ट क्रिकेट में अगले दो साल में काफी रोमांचक मैच होने वाले हैं और मुझे लगता है कि हर तीनों ही इनका हिस्सा बनना चाहता है।

रवि बिश्नोई और अर्शदीप सिंह की आईसीसी टी20आई गेंदबाजी रैंकिंग में सुधार

दुबई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर रवि बिश्नोई और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह बुधवार को जारी नवीनतम आईसीसी टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में क्रमशः छठे और 10वें स्थान पर पहुंच गए। वरुण चक्रवर्ती चौथे स्थान के साथ भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले गेंदबाज बने हुए हैं जबकि बिश्नोई, अर्शदीप और अक्षर पटेल एक-एक स्थान के फायदे के साथ क्रमशः छठे, 10वें और 13वें स्थान पर हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में अभिषेक शर्मा 829 रेटिंग अंक के साथ शीर्ष पर बरकरार हैं जबकि तिलक वर्मा दूसरे और कप्तान सूर्यकुमार यादव छठे पायदान पर हैं। एशिया कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे यशस्वी जायसवाल एक स्थान के नुकसान से 11वें स्थान पर हैं। वह एशिया कप के लिए पांच रिजर्व खिलाड़ियों में शामिल हैं। रुतुराज गायकवाड़ और संजू सैमसन दोनों एक-एक स्थान के फायदे से 26वें और 34वें स्थान पर हैं। ऑलराउंडर की सूची में हार्दिक पंड्या 252 रेटिंग अंक के साथ नंबर एक ऑलराउंडर बने हुए हैं। यूएई, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच त्रिकोणीय श्रृंखला की समाप्ति के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग जारी की गई है। पाकिस्तान ने फाइनल में अफगानिस्तान को 75 रन से हराकर त्रिकोणीय श्रृंखला जीती। एकदिवसीय रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाजों में शुभमन गिल नंबर एक पर बरकरार हैं। कप्तान रोहित शर्मा (दूसरे), विराट कोहली (चौथे) और श्रेयस अय्यर (आठवें) की रैंकिंग में भी कोई बदलाव नहीं आया है। एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के कुलदीप यादव एक स्थान के नुकसान से चौथे जबकि रविंद्र जडेजा दो स्थान के नुकसान से 10वें स्थान पर हैं। मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज भी दो-दो स्थान के नुकसान से क्रमशः 14वें और 15वें स्थान पर हैं।

हार्दिक पांड्या की लग्जरी घड़ी चर्चा में, एशिया कप की प्राइज मनी से भी ज्यादा है कीमत

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने एशिया कप 2025 से पहले हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा। ट्रेनिंग सेशन के दौरान नए हेयरस्टाइल और उनकी घड़ी की वजह से उनकी खूब चर्चा हो रही है। एशिया कप 2025 से पहले हार्दिक पांड्या ने अपने बालों को ग्रे शेड में कराया है। हार्दिक को प्रैक्टिस सेशन के दौरान रिचर्ड मिल आरए 27-04 घड़ी पहने देखा गया। इस घड़ी का वजन 30 ग्राम के करीब है। जिसकी कीमत 20 करोड़ रुपये के करीब हैं जो एशिया कप की प्राइज मनी से लगभग 8 गुना ज्यादा है।। ये घड़ी खासतौर पर टेनिस लीजेंड राफेल नाडल के लिए बनाई जाती हैं इसलिए इसे राफेल नडाल एडिशन भी कहते हैं। एशिया कप जीतने वाली टीम को करीब 2.6 करोड़ रुपये की इनाम राशि मिलेगी। एशिया कप 2025 का आगाज 9 सितंबर से अबूधाबी में हो चुका है। जहां अफगानिस्तान ने अबू धाबी के शेख जायेद स्टेडियम में हांगकांग को 94 रनों से हरा दिया। टूर्नामेंट के दूसरे मुकाबले में 10 सितंबर को भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज करेगी जिसमें दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में उनका सामना यूएई से होगा। गौर है कि भारत का एशिया कप 2025 में पहला मैच 10 सितंबर को दुबई में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ होगा जिसके बाद 14 सितंबर को दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के साथ बहुप्रतीक्षित मुकाबला होगा। वहीं अबू धाबी में ओमान के खिलाफ 19 सितंबर को भारत अपने ग्रुप चरण का आखिरी मैच खेलेगा। आठ बार एशिया कप की ट्रॉफी जीतकर भारत टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे सफल टीम है।

विश्व चैंपियनशिप: भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाज व्यक्तिगत वर्ग में पदक की दौड़ से बाहर

ग्वांगजू (दक्षिण कोरिया) (एजेंसी)। भारतीय पुरुष रिकर्व तीरंदाजों का विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन बुधवार को भी जारी रहा और उसके सभी तीरंदाज व्यक्तिगत वर्ग के पदक चरण में जगह बनाने में असफल रहे।

भारत के तीनों खिलाड़ियों में राहुल ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने तीसरे राउंड (अंतिम-32) में जगह बनाई, लेकिन शूट-ऑफ में जॉर्जिया के एलेक्जेंडर माचावरियानी से 5-6 (8-10) से हार गए। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने 5-3 की बढ़त बना ली थी लेकिन अंतिम दो सेटों में वह लड़खड़ा गए जिससे एक बार फिर रिकर्व वर्ग में दबाव में भारत की मानसिक कमजोरियां उजागर हो गई।

पहला सेट 28-28 से बराबर करने के बाद राहुल ने दूसरे सेट में 30-30 का शानदार स्कोर बनाया और तीसरे सेट में 28-27 से जीत हासिल कर 5-1 की बढ़त बना ली। चौथे राउंड में उन्हें केवल ड्रॉ की आवश्यकता थी, लेकिन वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए जिससे उनके विरोधी खिलाड़ी को वापसी करने का मौका मिल गया।

जॉर्जियाई खिलाड़ी ने पांचवां सेट 28-27 से जीतकर शूट-ऑफ कराया जहां राहुल ने आठ अंक हासिल किए जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी का स्कोर परफेक्ट 10 था।

तीनों में सबसे अनुभवी ओलंपियन धीरज बोम्मादेवरा को सबसे कठिन ड्रॉ मिला क्योंकि पहले दौर में उनका मुकाबला पूर्व ओलंपिक चैंपियन मेटे गाजोज से हुआ। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी को पहला सेट 29-29 से बराबर करने के बाद 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। दूसरे सेट में कड़ी टक्कर हुई लेकिन गाजोज के दो 10 ने उन्हें 29-28 की बढ़त दिला दी।

तुर्किए के तीरंदाज ने तीसरे सेट में 29-28 के साथ अपनी बढ़त 5-2 कर ली। धीरज ने चौथा सेट 29-29 से बराबर किया लेकिन यह गाजोज को जीत से रोकने के लिए पर्याप्त नहीं था।

भारत के एक अन्य खिलाड़ी नीरज चौहान को उज्बेकिस्तान के बोबराजाबोव बेकजोद से सीधे सेटों में 27-29, 27-28, 26-29 से हार का सामना करना पड़ा।

इंग्लैंड ने सर्बिया को 5–0 से हराया, फ्रांस और पुर्तगाल उलटफेर से बचे

लंदन- किलियन एम्बाप्पे ने फ्रांस को संकट से बाहर निकाला, क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने रिकॉर्ड गोल करके पुर्तगाल को हार से बचाया जबकि इंग्लैंड ने बड़ी जीत हासिल करके फुटबॉल विश्व कप के यूरोपीय क्वालीफाइंग में अपना विजय अभियान जारी रखा। यूरोप की इन तीन फुटबॉल महाशक्तियों ने इस तरह से 2026 में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की तरफ मजबूर कदम बढ़ाए जबकि एर्लिंग हैलैंड ने चेहरे पर टांके लगे होने के बावजूद नार्वे की 11–1 से बड़ी जीत में पांच गोल किए। नोनी मडुके, एज्री कोंसा और मार्क गुएही ने गोल किए, जिससे इंग्लैंड ने सर्बिया को 5–0 से हराकर बड़ी जीत हासिल की। फ्रांस ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए एमबाप्पे के गोल और एक अन्य गोल करने में मदद की बदौलत आइसलैंड को 2–1 से हराया। जोआओ कैंसेलो ने 86वें मिनट में विजयी गोल करके पुर्तगाल को हंगरी पर 3–2 से जीत दिलाई। रोनाल्डो ने इस मैच में पेनल्टी पर गोल किया जो विश्व कप क्वालीफाइंग में उनका 39वां गोल था, जिससे उन्होंने ग्वाटेमाला के कार्लोस रुइज़ के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। बस के दरवाजे से हुई दुर्घटना के बाद चेहरे पर टांके लगे होने के बावजूद हैलैंड ने पहले हाफ में हैट्रिक सहित पांच गोल दागे, जिससे नॉर्वे ने मोल्दोवा को 11–1 से करारी शिकस्त दी।

जोफ्रा आर्चर ने लगाई लम्बी छलांग, आईसीसीस रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। इंग्लैंड के स्टार गेंदबाज जोफ्रा आर्चर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हारी हुई श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी पुरुष एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग में 16 पायदान की छलांग लगाकर करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की ताजा अपडेट के अनुसार आर्चर ने दूसरे और तीसरे मैच में लगातार 62 रन देकर चार और 18 रन देकर चार विकेट लिए, जिसकी बदौलत उन्हें 16 पायदान का उछाल मिला। तीसरे मैच में इंग्लैंड ने साउथम्प्टन में रिकॉर्ड 342 रनों से जीत दर्ज करके ऐतिहासिक जीत हासिल की थी। इससे पहले 2020 में आर्चर गेंदबाजी में रैंकिंग में सर्वोच्च आठवें स्थान पर पहुंचे थे। आदिल राशिद इस हफ्ते गेंदबाजों की सूची में उल्लेखनीय सुधार करने वाले एकमात्र अन्य गेंदबाज हैं। आदिल रशीद आठ विकेट लेने के बाद सात पायदान चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गए। लॉर्ड्स और साउथम्प्टन में खेले गए दूसरे और तीसरे मैच में दो-दो विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बरकरार है।

दूसरे और तीसरे मैच में 61 और 100 रनों की पारी खेलकर शानदार प्रदर्शन करने वाले जो रूट ने आईसीसी पुरुष एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 20 में वापसी की। वह पांच पायदान की छलांग लगाकर 19वें स्थान पर पहुंच गए। वह दो साल में पहली बार शीर्ष 20 में पहुंचे है। उनके हमवतन जोस बटलर ने 62 और नाबाद 61 रनों की पारी खेलकर सात पायदान की छलांग लगाई। शाहीन शाह अफरीदी को चार स्थान की छलांग के साथ 22वें स्थान पर पहुंचने का इनाम मिला, जबकि उनके साथी और प्लेयर ऑफ द सीरीज मोहम्मद नवाज अफगानिस्तान के खिलाफ फाइनल में 5 विकेट (19 रन पर पांच विकेट) लेकर गेंदबाजों की सूची में 13 स्थान की छलांग के साथ 30वें स्थान पर पहुंच गए, जिसमें एक हैट्रिक भी शामिल थी, अफगानिस्तान के नूर अहमद 40 स्थान की छलांग के साथ संयुक्त 33वें स्थान पर पहुंच गए। श्रीलंका के कुसल परेरा हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ नाबाद अर्धशतक की बदौलत तीन स्थान की छलांग के साथ नौवें और सिकंदर रजा तीन स्थान की छलांग के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए।

भारत ने कोरिया को महिला एशिया कप सुपर चार मुकाबले में 4–2 से हराया

हांगझोउ (चीन) । भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार को यहां एशिया कप के सुपर चार चरण के अपने पहले मैच में कोरिया को 4–2 से हराया। पूल बी में सात अंक के साथ शीर्ष पर रहे भारत के लिए वैष्णवी विट्ठल फाल्के (दूसरे मिनट), संगीता कुमारी (33वें मिनट), लालरेमसियामी (40वें मिनट) और रुतुजा ददासो पिसल (59वें मिनट) ने गोल दागे। कोरिया की ओर से दोनों गोल यूजिन किम (33वें और 53वें मिनट) ने किए। भारत अपने अगले मैच में बृहस्पतिवार को चीन से भिड़ेगा।

शिखर धवन और उनकी संस्था पंजाब बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आई, पुनर्वास में करेगी सहायता

मुम्बई (एजेंसी)। नई दिल्ली -भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने पंजाब में बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद से लिए आगे आए हैं। इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक भावुक वीडियो में धवन ने इस कठिन समय में एकता और करुणा का आह्वान किया। धवन ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट में लिखा, 'यह एकजुट होने का समय है। पंजाब को हमारी ताकत, करुणा और समर्थन की जरूरत है.. थोड़ी सी मदद भी बहुत फर्क ला सकती है। आइए हम सब अपना योगदान दें।'

अपनी व्यक्तिगत अपील के साथ धवन का NGO शिखर धवन फाउंडेशन बाढ़ प्रभावित परिवारों के पुनर्वास प्रयासों में सहायता के लिए जमीनी स्तर पर सक्रिय रूप से काम कर रहा है। शिखर धवन की मीडिया टीम की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार फाउंडेशन का उद्देश्य जीवन के पुनर्निर्माण में मदद करना और जहां सबसे ज्यादा जरूरत है वहां दीर्घकालिक सहायता प्रदान करना है।

उनके संदेश को प्रशंसकों और साथी क्रिकेटरों का जबरदस्त समर्थन मिला है जिसमें संकट के समय में करुणा और एकता के महत्व पर प्रकाश डाला गया है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए पंजाब के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। उन्होंने पंजाब को पहले से आवंटित 12,000 करोड़ रुपए के अलावा, राज्य के लिए 1,600 करोड़ रुपए के वित्तीय सहायता पैकेज की घोषणा की।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार केंद्र राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (SDRF) और पीएम किसान सम्मान निधि योजना की दूसरी किस्त भी अग्रिम रूप से जारी करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने स्थिति का जमीनी स्तर पर आकलन करने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (NDRF) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (SDRF) के कर्मियों से भी बातचीत की।

हाल के दिनों में हुई भारी बारिश के कारण पंजाब में व्यापक तबाही हुई है। राज्य सरकार ने केंद्र द्वारा 'रोके गए' 60,000 करोड़ रुपए की धनराशि तत्काल जारी करने की मांग की है, जो पंजाब की बाढ़ से प्रभावित अर्थव्यवस्था को समग्र रूप से पटरी पर लाने के लिए बेहद जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरदासपुर और अन्य प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान का आकलन किया। इसके बाद उन्होंने गुरदासपुर में अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ एक आधिकारिक समीक्षा बैठक की।

प्रधानमंत्री मोदी ने राहत और पुनर्वास उपायों की समीक्षा की और पंजाब में हुए नुकसान का भी आकलन किया।

आखिर किस वजह से उड़ गई रश्मिका की नींद? एक्ट्रेस ने किया खुलासा

साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने आज शनिवार को एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने फ्लाइट की उड़ानों के समय का जिक्र किया। अभिनेत्री ने कहा इसने उन्हें काफी परेशान किया। साथ ही उन्होंने कहा कि वह इस बीच में फंसी रहती हैं कि नींद लें या ना लें। आइए जानते हैं।

रश्मिका की उड़ी नींद

रश्मिका मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है। इसमें उन्होंने अपनी फ्लाइट के दौरान की एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'सुबह 3:50 की उड़ानें सबसे खराब होती हैं। यह न तो सुबह होती है और न ही रात।' इसके आगे उन्होंने कहा, 'क्या मुझे दो घंटे सोना चाहिए, उठकर काम करना चाहिए (मैं बहुत बीमार और सुस्त महसूस करूंगी) या क्या मुझे बस जागकर कुछ काम करना चाहिए और पूरा दिन खत्म करना चाहिए (फिर भी मैं बहुत सुस्त महसूस करूंगी) और फिर सो जाना चाहिए। ये रोज़मर्रा के फैसले हैं जिन्हें लेना मेरे लिए सबसे मुश्किल होता है।' इस पोस्ट को करते हुए एक्ट्रेस ने रोने वाला इमोजी लगाया हुआ है, जो उनके परेशान होने की स्थिति बयां कर रहा है।

रश्मिका मंदाना का वर्कफ्रंट

रश्मिका मंदाना के करियर फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार कुबेर फिल्म में देखा गया था, जिसमें धनुष और नागार्जुन मुख्य भूमिका में नजर आए थे। वहीं उनकी आगामी फिल्मों की बात करें, तो वह हिंदी फिल्म 'थामा' के अलावा एक साउथ फिल्म मैसा में भी नजर आएंगी। वहीं 'थामा' की बात करें, तो इसमे आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस 'गर्लफ्रेंड' फिल्म में भी दिखेंगी।

बॉलीवुड डेब्यू पर गदगद हरनाज कौर संधू

साल 2021 में मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम कर भारत का मान बढ़ाने वाली हरनाज कौर संधू ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में दस्तक दे दी है। टाइगर श्रॉफ और संजय दत्त अभिनीत फिल्म बागी 4 में वे नजर आई हैं, जो शुक्रवार 05 सिंतबर को रिलीज हुई है। इस मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया है, जिसमें अपने दिवंगत पिता को याद करती दिखी हैं। अपने बॉलीवुड डेब्यू को लेकर हरनाज कौर संधू बेहद खुश हैं। उन्होंने अपनी अब तक की सफलता का क्रेडिट अपने परिवार को दिया है। हरनाज ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने एक फैमिली फोटो पोस्ट करते हुए दिल छूने वाली कुछ लाइनें लिखी हैं। हरनाज का कहना है कि उनके इस सफर में परिवार हमेशा ताकत बना है।

सपनों से लेकर परदे तक...

हरनाज ने पोस्ट के साथ लिखा है, सपनों से लेकर बड़े परदे तक... मेरा दिल शुकराना और कृतज्ञता से भरा है। यह पल मेरे परिवार के प्यार और आशीर्वाद के बिना मुमकिन नहीं होता। पापा, मेरे मार्गदर्शक, गार्जियन एंजिल... मैं आपको हर कदम पर, हर फ्रेम में अपने साथ रखती हूं। हरनाज ने हैशटैग के साथ बागी 4 लिखा है। बता दें कि हरनाज कौर संधू के पिता प्रीतम सिंह संधू का जुलाई 2023 में निधन हो गया था।

असरदार रहा हरनाज का डेब्यू

बागी 4 में हरनाज संधू का डेब्यू ताजगी भरा और असरदार रहा है। बात करें फिल्म बागी 4 की तो यह बागी फ्रेंचाइजी की चौथी कड़ी है। इस सीरीज की पहली फिल्म साल 2016 में आई थी। आज शुक्रवार को रिलीज हुई बागी 4 का निर्देशन ए. हर्षा ने किया है। संजय दत्त नेगेटिव रोल में हैं। टाइगर श्रॉफ और संजय दत्त जबर्दस्त एक्शन अवतार में नजर आए हैं। फिल्म ने ओपनिंग डे पर 12 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है।

श्रद्धा श्रीनाथ ने सीरीज द गेम - यू नेवर प्ले अलोन की दी जानकारी

अभिनेत्री श्रद्धा श्रीनाथ की नई तमिल थ्रिलर सीरीज द गेम- यू नेवर प्ले अलोन नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। इस सीरीज में संतोष प्रताप, चंदिनी, श्यामा हरिनी, बाला हसन, सुबाष सेल्वम, विविया संत, धीरज और हेमा जैसे कलाकार नजर आएंगे।

आज श्रद्धा श्रीनाथ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सीरीज द गेम- यू नेवर प्ले अलोन को लेकर एक अहम जानकारी दी है। श्रद्धा ने फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, वॉच द गेम, 2 अक्टूबर को सीरीज, केवल नेटफ्लिक्स पर। वहीं श्रद्धा के कई फैंस ने भी उनकी इस आगामी सीरीज को लेकर उत्साह जताया है। एक फैन ने लिखा, आपके प्रदर्शन का इंतजार रहेगा प्रिय, एक और फैन ने लिखा, इंतजार नहीं कर सकता, वहीं कई फैंस ने श्रद्धा को सीरीज के लिए शुभकामनाएं दी हैं तो किसी ने उनकी पोस्ट पर फायर और दिल वाले इमोजी बरसाए हैं।

सीरीज द गेम – यू नेवर प्ले अलोन

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक राजेश एम. सेल्वा का कहना है कि यह सीरीज सिर्फ एक थ्रिलर नहीं है, बल्कि यह आज की दुनिया को दर्शाती है, जहां जिंदगी रहस्यों, धोखे और बदलते रिश्तों में उलझी है। यह कहानी लोगों के विकल्पों, कमजोरियों और सच्चाई–धोखे के बीच की बारीक रेखा को दिखाती है।

साउथ एक्टर नानी के साथ काम कर चुकी हैं श्रद्धा

श्रद्धा श्रीनाथ एक भारतीय कन्नड़ एक्ट्रेस हैं, जो ज्यादातर कन्नड़ा और तमिल फिल्मों में नजर आती हैं। श्रद्धा को 2016 में फिल्म यू टर्न से पहचान मिली। इस फिल्म के लिए श्रद्धा को फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड भी मिल चुका है। इस फिल्म के अलावा श्रद्धा साउथ एक्टर नानी की फिल्म जर्सी में भी अहम भूमिका निभा चुकी हैं। अब फैंस श्रद्धा की इस आगामी सीरीज द गेम- यू नेवर प्ले अलोन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

गैंग्स ऑफ वासेपुर से एकदम अलग है निशानची

अनुराग कश्यप ने कई चर्चित फिल्में सिने प्रेमियों को दी हैं। उनकी सबसे चर्चित फिल्म है गैंग्स ऑफ वासेपुर। फिलहाल निर्देशक अपनी आगामी फिल्म निशानची को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस फिल्म की रिलीज से पहले अनुराग कश्यप का कहना है कि निशानची उनकी फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर से बिल्कुल अलग है।

बताया दोनों फिल्मों का अंतर

अनुराग कश्यप का कहना है कि उनकी आगामी फिल्म निशानची उनकी क्लासिक फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर से बिल्कुल अलग है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि साल 2012 की क्राइम थ्रिलर जहां उनके द्वारा सुनी गई कहानियों से प्रेरित थी, वहीं उनकी यह आगामी फिल्म सीधे तौर पर उनके अपने जीवन और कानपुर–लखनऊ में उनकी परवरिश से प्रेरित है।

ऐश्वर्य ठाकरे का होगा डबल रोल

फिल्म निशानची हिंदी पट्टी की पृष्ठभूमि पर आधारित जुड़वां भाइयों बबलू और डबलू के इर्द–गिर्द है। इसमें ऐश्वर्य ठाकरे लीड रोल में हैं। वे डबल रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म से वे डेब्यू कर रहे हैं। उनके साथ वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, कुमुद मिश्रा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी अहम भूमिकाओं में हैं।

कब रिलीज होगी निशानची?

अनुराग कश्यप का कहना है, जब मैं वासेपुर बना रहा था, तब मैं महबूब खान और के.आसिफ के स्टोरीटेलिंग जोन में था। अचानक, लोगों की जुबानी प्रचार की वजह से वासेपुर एक कल्ट बन गई। मैं जहां भी जाता, लोग चिल्लाते, वासेपुर 3, वासेपुर 3! लेकिन वासेपुर पूरा उत्तर भारत नहीं है और निशानची वासेपुर से उतनी ही अलग है, जितनी कानपुर, लखनऊ से 840 किलोमीटर दूर है। बता दें कि फिल्म निशानची 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म की स्क्रिप्ट अनुराग कश्यप, प्रसून मिश्रा और रंजन चंदेल ने लिखी है।

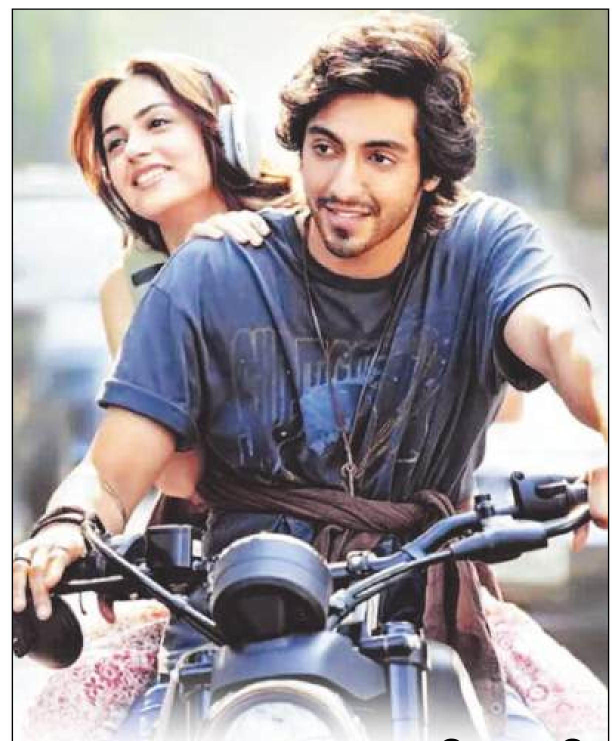

क्या अहान-अनीत की सैयारा का बनेगा सीक्वल? दूसरे पार्ट पर निर्देशक मोहित सूरी ने तोड़ी चुप्पी

जुलाई में अहान पांडे और अनीत पड्डा अभिनीत फिल्म सैयारा रिलीज हुई। इसका निर्देशन मोहित सूरी ने किया है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। काफी वक्त से ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या इस फिल्म का सीक्वल भी आएगा? इस सवाल का जवाब खुद मोहित सूरी ने दे दिया है।

सीक्वल को लेकर बोले मोहित सूरी?

हाल ही में मोहित सूरी ने सैयारा पार्ट 2 को लेकर चुप्पी तोड़ी। एक बातचीत में उनसे पूछा गया कि क्या सैयारा के सेकेंड पार्ट की तैयारियां हो रही हैं? इस पर मोहित सूरी ने साफ इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, दूसरे पार्ट की प्लानिंग नहीं है। यह बेहद स्पेशल मूमेंट है, इसे एंजॉय करते हैं। यह फिल्म अभी भी सिनेमाघरों में है और सीक्वल के साथ सफलता को भुनाने का कोई इरादा नहीं है। मोहित सूरी ने साफ कर दिया है कि वे फिल्म सैयारा 2 नहीं बना रहे हैं। उनके इनकार करने के बाद सोशल मीडिया पर नेटिजन्स की मजेदार प्रतिक्रिया आ रही है। कुछ यूजर्स उन्हें शुक्रिया अदा कर रहे हैं। वहीं कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, इसका पार्ट 2 बनाने की कोई जरूरत भी नहीं है।

ब्लॉकबस्टर रही है सैयारा

फिल्म सैयारा 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म के जरिए अहान पांडे ने एक्टिंग डेब्यू किया है। वहीं, बतौर लीड अभिनेत्री अनीत पड्डा की भी यह पहली फिल्म है। यह फिल्म 300 करोड़ क्लब में शामिल हुई है। फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 329.2 करोड़ रुपये कमाए हैं। यह रोमांटिक लव स्टोरी फिल्म है। युवाओं के बीच फिल्म का खासतौर से क्रेज देखा गया।

कीकू शारदा नहीं छोड़ रहे द ग्रेट इंडियन कपिल शो राइज एंड फॉल से पहले हो चुकी है शूटिंग

द ग्रेट इंडियन कपिल शो में नजर आ रहे कीकू शारदा के फैंस का गहरा धक्का लगा, जब उन्हें ये खबर मिली की एक्टर-कॉमेडियन ने शो छोड़ दिया है। क्योंकि वह अशनीर ग्रोवर के 40 दिन चलने वाले रियलिटी शो राईड एंड फॉल में नजर आएंगे। इसी कारण रिपोर्ट्स आने लगीं कि कृष्णा अभिषेक से बहस के बाद अब उन्होंने कपिल के शो से किनारा कर लिया है। लेकिन अब इसके पीछे की असली वजह सामने आई है।

कीकू शारदा ने इंस्टाग्राम पर अशनीर ग्रोवर के शो का एक ऑफिशियल पोस्टर जारी किया था और कैप्शन में लिखा था, रूलर बनने के लिए चाहे कितनी भी हसल करने पड़े, आपका कीकू उसे करेगा। इसके बाद को–एक्टर सुनील ग्रोवर ने कमेंट में उन्हें शुभकामनाएं दी थीं और लिखा था, तुम राइज करोगे और सप्राइज भी।

कीकू शारदा नहीं छोड़ रहे द ग्रेट इंडियन कपिल शो

इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, कीकू शारदा ने तय किया है कि वह द ग्रेट इंडियन कपिल शो का सीजन पूरा करने के बाद ही अशनीर ग्रोवर के राइज एंड फॉल का हिस्सा बनेंगे। एक अंदरूनी सोर्स के हवाले से बताया गया, कीकू शो नहीं छोड़ रहे है। आप उन्हें आने वाले एपिसोड्स में देखेंगे। उन्होंने अपना अगला प्रोजेक्ट शुरू करने से पहले शो की शूटिंग पूरी कर ली है। कीकू द ग्रेट इंडियन कपिल शो का हिस्सा हैं।

कृष्णा अभिषेक और कीकू शारदा में बहस

बता दें कि कीकू शारदा और कृष्णा अभिषेक का सेट से एक वीडियो सामने आया था, जिसमें दोनों बहस कर रहे थे। जिसमें कीकू ने कहा, टाइमपास कर रहा हूं? इस पर कृष्णा ने दुखी होते हुए कहा, तो फिर ठीक है आप कर लो। आप कर लो भाई कोई प्राब्लम नहीं है। मैं जाता हूं यहां से। फिर कीकू बोले, बात ये है कि मुझे बुलाया है तो मैं आपना खत्म कर लूं पहले। कृष्णा ने कहा, मैं आपको पसंद करता हूं और इज्जत भी करता हूं। मैं चिल्लाना नहीं चाहता। फिर कूकी ने कहा, आवाज बढ़ाने की बात नहीं है। आप इसको गलत तरीके से लेकर जा रहे हैं। अब इसके बाद लोगों ने ये कयास लगाया कि शायद इसी वजह से कीकू शो छोड़ रहे। मगर कुछ ने इसे फर्जी बताया था।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0. 945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।